संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक-190 रविवार, 12 मई 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबर

आज सुबह 6 बजे खुलेंगे बाबा बद्रीनाथ धाम के कपाट

बद्रीनाथ,11 मई 2024 (ए)। विश्व प्रसिद्ध श्री बद्रीनाथ धाम के कपाट रविवार 12 मई को सुबह 6 बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल रहे हैं। उत्तराखंड के चार धामों में से तीन धाम श्री केदारनाथ, श्री गंगोत्री, श्री यमुनोत्री धाम के कपाट शुक्रवार अक्षय तृतीया के दिन खुल चुके हैं। श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की ओर से तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। कपाट खुलने को लेकर बद्रीनाथ मंदिर को पुष्पों से सजाया जा रहा है।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट के मामले में फोर्टिस अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ गिरफ्तार

जयपुर ,11 मई 2024(ए)। ऑर्गन ट्रांसप्लांट की फर्जी एनओसी जारी करने के मामले में पुलिस ने फोर्टिस अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ को गिरफ्तार किया है। दलालों से पूछताछ करने पर कई अन्य सबूत मिले हैं।

75 की उम्र के बाद कोई पीएम नहीं रह सकता...ये नहीं कहता बीजेपी का संविधान

» आगे भी मोदी ही संभालेंगे कमानः अमित शाह

नई दिल्ली,11 मई 2024(ए)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सनसनीखेज दावे का जवाब खुद गृहमंत्री अमित शाह ने यह कहते हुए दिया कि भाजपा का संविधान यह नहीं कहता कि 75 की उम्र के बाद पार्टी का कोई नेता प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। नरेंद्र मोदी ही चुनाव जीत कर तीसरी बार भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री बनेंगे। अरविंद केजरीवाल ने आज दावा किया था कि अगर 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा जीत भी गई तो पीएम मोदी अगले साल तक ही प्रधानमंत्री रहेंगे। केजरीवाल ने कहा था कि पीएम मोदी ने खुद यह नियम बनाया है कि उनकी पार्टी में कोई भी 75 साल के बाद सक्रिय राजनीति में नहीं रहेगा.। इस बार अगर भाजपा चुनाव जीत गई तो पीएम मोदी अगले साल 75 साल के हो जाएंगे और फिर अमित शाह को प्रधानमंत्री बना देंगे।

अमित शाह का जवाब

केजरीवाल को जवाब देते हुए,अमित शाह ने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री बहुत बड़ी गलती पर हैं कि पीएम मोदी जब 75 वर्ष के हो जाएंगे तो पद छोड़ देंगे। गृहमंत्री ने कहा, मैं अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी और इंडिया ब्लॉक से यह कहना चाहता हूं कि बीजेपी के संविधान में ऐसा कुछ भी (75 साल पुरानी सीमा नियम का) उल्लेख नहीं है.। पीएम मोदी न केवल यह कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं बल्कि पीएम मोदी भविष्य में भी नेतृत्व करना जारी रखेंगे। देश में इसे लेकर कोई भ्रम नहीं है।

केजरीवाल की समझ पर उठाए सवाल

गृहमंत्री ने केजरीवाल के अति आत्मविश्वास पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि केजरीवाल को अदालत से सिर्फ अंतरिम जमानत मिली है और यह अस्थायी है। ऐसा नहीं है कि अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री को शराब नीति मामले से मुक्त कर दिया है। उनके पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया अभी भी जेल में हैं। अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत दी गई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सामने प्रार्थना की थी कि उनकी गिरफ्तारी गलत है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट इस पर सहमत नहीं हुआ। केजरीवाल को अंतरिम जमानत सिर्फ 1 जून तक मिली है और 2 जून को उन्हें एजेंसियों के सामने आत्मसमर्पण करना होगा।. अगर अरविंद केजरीवाल इसे क्लीन चिट मानते हैं तो कानून के बारे में उनकी समझ कमजोर है।

ऐसे मिली जमानत

आपको बता दें कि अंतरिम जमानत के तहत अरविंद केजरीवाल अपने कार्यालय नहीं जा सकते। आधिकारिक दस्तावेजों पर हस्ताक्षर नहीं कर सकते और दिल्ली सचिवालय नहीं जा सकते। किसी भी जरूरी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के लिए उन्हें उपराज्यपाल से अनुमति लेनी होगी। लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी। शीर्ष अदालत ने कहा है कि आम चुनाव के मद्देनजर अधिक समग्र और उदारवादी दृष्टिकोण अपनाना उचित है।

मोदी अगर फिर से पीएम बने तो यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को हटा देंगे

» अरविंद केजरीवाल ने किया दावा

तिहाड़ जेल से रिहाई के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पहली बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की. इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र और भाजपा पर बड़ा हमला बोला।. साथ ही साथ उन्होंने कई बड़े दावे भी किए। केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी अगर फिर से प्रधानमंत्री बने तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को वहां से हटा देंगे।अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी एक खतरनाक मिशन पर हैं। वह विपक्ष के सभी नेताओं को जेल भेजना चाहते हैं और अकेले चुनाव लड़ना चाहते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक बेहद खतरनाक मिशन चालू किया है। उस मिशन का नाम है 'वन नेशन वन लीडर'। केजरीवाल ने कहा कि देश के सारे नेताओं को मोदी खत्म करना चाहते हैं। जितने विपक्ष के नेता हैं उन्हें जेल भेजेंगे। अगर वे यह चुनाव जीत गए तो थोड़े दिन के बाद ममता दीदी,तेजस्वी यादव,स्टालिन, पिनाराई विजयन, उद्धव ठाकरे जेल के अंदर होंगे। जितने भी विपक्ष के नेता हैं जेल में होंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने बीजेपी के कई वरिष्ठ नेताओं की राजनीति खत्म कर दी। अब अगला नंबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का है। अगर इनकी सरकार आई तो अगले दो महीने में यह लोग योगी आदित्यनाथ को हटा देंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 2014 में मोदी ने खुद नियम बनाया था कि 75 साल की उम्र के बाद भाजपा नेता रिटायर हो जाएंगे। मोदी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। उन्होंने कहा, मोदी अपने लिए वोट नहीं मांग रहे हैं, वो अमित शाह को प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं।

केंद्रीय विभाग के कर्मचारियों की ग्रेच्युटी लिमिट 20 से 25 लाख की गई...

» महंगाई भत्ता बढ़कर 46 से 50 फीसदी हो गया

नई दिल्ली,11 मई 2024 (ए)। भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय के आदेश के मुताबिक केंद्र सरकार ने डीए में 50 फीसदी की वृद्धि के साथ ही रिटायरमेंट और डेथ ग्रेच्युटी की सीमा को भी 25 फीसदी बढ़ा दिया है। मंत्रालय ने कहा है कि 1 जनवरी, 2024 से रिटायरमेंट और डेथ ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा मौजूदा 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दी गई थी। केंद्र सरकार ने बीते मार्च महीने में ही अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 4 फीसदी का इजाफा किया गया था। जिसके बाद से ही केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता बढ़कर 46 से 50 फीसदी हो गया था। वहीं अब महंगाई भत्ते के साथ कर्मचारियों के ग्रेच्युटी लिमिट में भी बढ़ोतरी की गई है। सरकार ने कर्मचारियों के ग्रेच्युटी में बड़ा इजाफा किया है।

केंद्र सरकार ने मार्च में केंद्रीय कर्मचार्रि यों के महंगाई भत्ते में इजाफा किया था। जिसके बाद से केंद्रीय कर्मचारी का डीए 46 फीसदी से 50 फीसदी हो गया है। जब भी डीए में इजाफा होता है तो इसके साथ ही किराया भत्ता भी बढ़ जाता है। एचआरए शहरों के कैटेगरी के हिसाब से बढ़ाया जाता है। सरकार ने एक्स वाई जेड शहरों के कैटेगिरी में आने वाले कर्मचारियों के एचआरए में भी इजाफा किया है। डीए में बढ़ोतरी के साथ कई प्रकार के भत्ते भी बढ़ गए हैं। इनके साथ ही केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के ग्रेच्युटी में भी बढ़ोतरी की है। दरअसल, कार्मिक मंत्रालय के आदेश के मुताबिक डीए के 50 फीसदी हो जाने के बाद अब बच्चों की पढ़ाई हॉस्टल सब्सिडी की लिमिट भी बढ़ गई है। इन दोनों भत्तों में 25 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसके अलावा सरकार ने विकलांग महिलाओं के लिए बाल देखभाल जो कि स्पेशल अलाउंस है उसमें भी संशोधन किया है। इतना ही नहीं सरकार द्वारा भत्तों में हुए संशोधन 1 जनवरी, 2024 से लागू हो गए हैं।

जब राहुल गांधी ने ईडी की टीम को लगाई तलाड़

आप गलतफहमी में हैं कि आपने मुझे यहां बुलाया है

लखनऊ,11 मई 2024(ए)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एक चुनावी जनसभा संबोधित करते हुए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सीबीआई और ईडी के द्वारा की गई पूछताछ का अनुभव शेयर किया। उन्होंने कहा कि सीबीआई-ईडी ने मुझसे 55 घंटों तक पूछताछ की। राहुल गांधी ने बताया कि मैंने ईडी के अफसर से बोला, देखिए,आप सोच रहे हो कि आपने मुझे यहां बुलाया है, मगर आप गलतफहमी में हो, मुझे आप नहीं बुलाए हो, मैं यहां आया हूं। क्योंकि मैं देखना चाहता हूं कि हिंदुस्तान के लोकतंत्र की हत्या कौन लोग कर रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे कहा कि पूछताछ के दौरान मुझे एक सेल (लॉकअप) दिखाई दिया। मैं सोच रहा था कि मेरे परदादा 12 साल तक इसी तरह के सेल में बैठे थे, कम से कम 10 साल तो मुझे भी जाना चाहिए।. राहुल गांधी ने आगे कहा कि मुझे कोई भी सेल दो, कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरा कहना है कि हिंदुस्तान की जनता के सामने हिंदुस्तान की सच्चाई लाइए, मैं यकीन मानता हूं कि अगर हमने सच्चाई सामने रख दी, तो हिंदुस्तान की राजनीति पूरी तरह बदल जाएगी।

नए फॉर्मूले के कोरोना रोधी टीके को इस्तेमाल की अनुमति देने का प्रस्ताव मंजूर

» बदला कोरोना का टीका, ओमिक्रॉन वैरिएंट से भी बचाएगा...

मुंबई,11 मई 2024 (ए)। नए फॉर्मूले पर बने कोरोना रोधी टीके को भारत में आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति देने का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया है। यह पहला ऐसा टीका है जो कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन और एक्सबीबी स्वरूप से बचाव करने में सक्षम है। बीते सप्ताह केंद्र सरकार की विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) ने कुछ शर्तों के साथ एडजुवेंटेड 2023-2024 फॉर्मूले पर आधारित इस टीके को अनुमति देने की सिफारिश की है।पुणे स्थित सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने हाल ही में इस नए अपडेट टीके को भारत में बिक्री और वितरण की अनुमति मांगी थी। साथ ही कंपनी ने अमेरिका में चल रहे नैदानिक परीक्षण और प्रीक्लिनिकल अध्ययन की रिपोर्ट भी साझा की, जिसके आधार पर समिति ने निर्णय लिया। दरअसल कुछ समय पहले अमेरिकी कंपनी नोवा वैक्स के कोरोना टीके को भारत में आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति मिली। इसका उत्पादन भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने किया और पूरी दुनिया में करीब 200 करोड़ खुराक उपलब्ध कराई।

ब इसी नोवा वैक्स टीका को नए फॉर्मूला के जरिए अपडेट किया है जो कोरोना वायरस के ओमिक्रॉन और एक्सबीबी.1.5 स्वरूप से बचाव में असरदार है। नोवावैक्स के अलावा भारत में एस्ट्राजेनेका कंपनी का कोविशील्ड टीका उपलब्ध कराने का अधिकार सीरम कंपनी के पास है जो इस समय काफी चर्चाओं में है।

डब्ल्यूएचओ की सूची में भी शामिल

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस अपडेट टीका को आपातकालीन उपयोग सूची में शामिल किया है।

देश में चौथे चरण का अध्ययन करेगी कंपनी

विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टीके को लेकर अंतिम फैसला केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के जरिये होगा। फिलहाल कंपनी से देश में चौथे चरण का अध्ययन कराने के लिए कहा है जिसकी रिपोर्ट तीन माह के भीतर समिति के आगे पेश करनी होगी।

बूस्टर यानी एहतियाती खुराक के लिए इस टीका का इस्तेमाल 18 वर्ष या उससे अधिक आयु की आबादी में किया जा सकता है। समिति ने यह भी शर्त रखी है कि जो स्वास्थ्य कर्मचारी यह टीका लगाने वाले हैं उन्हें फैक्टशीट और मार्गदर्शन मिलना बहुत जरूरी है।

साइबर अपराधों में इस्तेमाल 28,200 मोबाइल फोन होंगे ब्लॉक

» 20 लाख मोबाइल कनेक्शनों का होगा सत्यापन

नई दिल्ली,11 मई 2024 (ए)। सरकार ने साइबर अपराधों को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इसी कड़ी में डीओटी ने दूरसंचार कंपनियों को साइबर अपराध में संलिप्तता के कारण देशभर में 28,200 मोबाइल हैंडसेट बंद करने का निर्देश दिया है। इन हैंडसेट के जरिये लगभग 20 सिम कार्ड (मोबाइल कनेक्शन) इस्तेमाल किया गया। दूरसंचार विभाग ने इन सभी कनेक्शन का तत्काल पुन~ सत्यापन करने को कहा है, और पुनः सत्यापन में विफल रहने वाले कनेक्शनों को डिस्कनेक्ट करने का भी निर्देश दिया गया है।

केंद्र और राज्यों ने साइबर अपराध रोकने उठाया कदम

दूरसंचार विभाग,गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस ने साइबर अपराध तथा वित्तीय धोखाधड़ी में दूरसंचार संसाधनों का दुरुपयोग रोकने के लिए हाथ मिलाया है। इसका मकसद धोखेबाजों के गिरोह का खात्मा करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है।

बयान के मुताबिक,गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस के विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल 'हैंडसेट' का दुरुपयोग किया गया। इन मोबाइल फोन के साथ करीब 20 लाख नंबरों का इस्तेमाल किया गया। '' इसमें कहा गया, दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को देशभर में इन 28,200 मोबाइल फोन को ब्लॉक करने तथा इनसे जुड़े 20 लाख मोबाइल कनेक्शन का तत्काल दोबारा सत्यापन करने और सत्यापन में नाकाम रहने पर कनेक्शन काटने के निर्देश जारी किए।

52 इकाइयों को डाला गया काला सूची में

दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतों के निपटान के लिए दो महीने पहले 'चक्षु' मंच पेश किया था। इस पोर्टल के सक्रिय होने के बाद से संदिग्ध संदेश भेजने में लिप्त 52 इकाइयों को काली सूची में डाला जा चुका है।

ट्रैफिक वाली बिजी सड़क पर होगा रियल लाइफ ड्राइविंग टेस्ट

» इस राज्य में डीएल के लिए लागू हुआ सख्त नियम

त्रिवेन्द्रम,11 मई 2024 (ए)। केरल में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना अब और भी ज्यादा मुश्किल होगा. क्योंकि केरल मोटर वाहन विभाग ने ड्राइविंग टेस्ट के नियमों में कई बड़े बदलाव किए हैं. यहां तक कि आवेदकों को अब रियल लाइफ ड्राइविंग टेस्ट देना होगा. यानी कि बिजी ट्रैफिक के बीच वाहन चलाकर अपनी ड्राइविंग स्किल को साबित करना होगा. इसके अलावा टेस्ट नियमों में कुछ और भी बदलाव किए गए हैं.

क्या हैं नए ड्राइविंग टेस्ट नियम ?

हाल ही में केरल मोटर वाहन विभाग द्वारा आदेश जारी किया गया. जिसके अनुसार, ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों को अब वास्तविक तौर पर बिजी सड़क पर ड्राइविंग टेस्ट देना अनिवार्य होगा. इसके अलावा विभाग ने एंगुलर पार्किंग, पैरेलल पार्किंग, ज़िग-जैग ड्राइविंग जैसे कई टेस्ट को अनिवार्य कर दिया है.

इसके अलावा, इस सर्कुलर में 'एच' टेस्ट करने से पहले आवेदकों को ग्रेडिएंट टेस्ट से गुजरना होगा. बता दें कि, यह नियम नए ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों या फिर रेन्यू करवाने वाले दोनों लोगों के लिए लागू होगा. नए नियमों में यह प्रावधान जोड़ा गया है कि 15 वर्ष से ज्यादा पुरानी किसी भी कार का उपयोग ड्राइविंग टेस्ट के लिए नहीं किया जाएगा.

चौथे चरण की 13 सीटों पर थमा चुनावी प्रचार

लखनऊ,11 मई 2024 (ए)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में उत्तर प्रदेश की 13 सीटों पर आज शाम 6 बजे से चुनाव प्रचार का शोर थम गया है. यूपी की शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी,धौरहरा,सीतापुर,मिश्रिख,उन्नाव, फर्रुखाबाद,कन्नौज,कानपुर,अकबरपुर,हरदोई, बहराइच और इटावा सीट में 13 मई को वोटिंग होगी. चौथे चरण में यूपी की 13 सीटों पर 130 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।. बता दें कि यूपी में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए 7 चरणों में मतदान होना है, जिनमें से तीन फेज में वोटिंग हो चुकी है। चौथे चरण के लिए अब 13 मई को 13 सीटों पर मतदान होगा. यहां आज यानी 11 मई को शाम 6 बजे चुनाव प्रचार थम गया है। इन 13 सीटों पर 13 माई को सुबह 7 बजे से वोटिंग शुरू होगी। चौथे चरण की हॉट सीट मानी जा रही कन्नौज से सपा प्रमुख अखिलेश यादव खुद चुनावी मैदान में हैं।

संपादकीय

मानव मन की जटिलता

कर्नाटक हाई कोर्ट ने जाओ फांसी लगा लो कहने को आत्महत्या के लिए उकसाने की श्रेणी में रखने से मना कर दिया। अदालत आपत्तिजनक बयानों से जुड़े आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले की जटिलताओं को दूर करने के मुद्दे पर विचार कर रही थी। तटीय कर्नाटक के उडुपी में गिरजाघर में पादरी की मौत के सिलसिले में हत्या के लिए उकसाने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर अदालत ने यह कहा। आरोप है कि पादरी और याचिकाकर्ता की पत्नी के दरम्यान दैहिक संबंध थे। दोनों के बीच हुई बहस में उसने पादरी को मरने के लिए कहा। एकल जज की पीठ ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व निर्णयों के आधार पर कहा सिर्फ बयानों को उकसाने वाला नहीं माना जा सकता। अदालत ने पिता और पादरी होने के बावजूद मानव मन की जटिलताओं का जिक्र करते हुए मामले को खारिज कर दिया। जिम्मेदार और धार्मिक पद पर होने के बावजूद सामाजिक मूल्यों का अनादर करने वाला शख्स आत्मग्लानि के चलते भी जिंदगी समाप्त कर सकता है। अपने समाज में साल दर साल आत्महत्याओं के मामले बढ़ते जा रहे हैं।नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार सिर्फ एक साल (2022) में प्रति दिन 468 लोगों ने अपनी जान ली। खुद की जान लेने वालों में युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। खासकर सामाजिक-पारिवारिक कारणों से लोग खुदकुशी कर लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अपनी जिंदगी से उकता कर, निराश होकर या आवेश में आत्महत्या करने वाले भी मानसिक तौर पर इसके लिए तैयार होते हैं, जिसके संकेत वे लगातार अपने करीबियों, परिवार या मित्रों को देते रहते हैं, जिसकी प्राय- अनदेखी की जाती है।इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मानसिक प्रताडऩा, उलाहनों, उत्पीडऩ और दोष मढ़े जाने से आजिज आकर भी लोग अपनी जान ले लेते हैं। मगर इस मामले में केवल कहासुनी के दौरान मरने का ताना देना ही काफी नहीं कहा जा सकता। आत्म-गलानि भरे उपासकों के पाप-स्वीकरण सुनने वालों के प्रति आम जन जो सम्मान का भाव रखता है, उसका दुष्चरित्र होना, सामाजिक तौर पर अस्वीकृत और तिरस्कृत होता है।

प्रेम त्याग व ममता की मूर्ति होती है मां

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू, राजस्थान

इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। प्रत्येक वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे यानी मातृ दिवस मनाया जाता है। ऐसे में इस साल 12 मई को मातृ दिवस मनाया जाएगा।

मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों ने मां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां ही होती है जो सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता हैं। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।

वाल्मीकि रामायण के इस श्लोक में आचार्य वाल्मीकि कहते हैं कि माता और मातृभूमि का स्थान स्वर्ग से भी ऊपर होता है और उनके चरणों में ही वैकुंठ धाम है।

नास्ति मातृसमा छाया, नास्ति मातृसमा गतिः।

नास्ति मातृसमं त्राण, नास्ति मातृसमा प्रिया।।

यह श्लोक जीवन में माता के महत्व को बताता है। इस श्लोक में कहा गया है, माता के समान कोई छाया नहीं है और न ही उनके समान कोई सहारा है। न तो दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं और उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है। महाभारत में एक प्रसंग के दौरान जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल पूछते हैं कि भूमि से भारी कौन है। तब युधिष्ठर कहते हैं कि माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं। अर्थात संसार में माता का स्थान सबसे अधिक गौरवपूर्ण है।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है। इस प्रकार जन्म देने वाली को मां कहकर पुकारा जाने लगा। शास्त्रों के अनुसार सर्वप्रथम बछड़े ने ही अपनी मां गाय को रंभाकर मां पुकारा और वहीं से इस शब्द की उत्पत्ति हुई।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

मां शब्द की उत्पत्ति और अर्थ के बारे में कई मत हैं। विभिन्न शैलियों ने मां शब्द की व्याख्या की है। ये एक अक्षर वाला मां संबोधन पूरे ब्रह्मांड में सबसे ताकतवर शब्द माना जाता है। मां सिर्फ शब्द नहीं बल्कि एक भावना है। इसका वर्णन शब्दों मे करना नामुमकिन है। मां वो है जो न सिर्फ हमे जन्म देती है बल्कि हमे जीना भी सिखाती है। मां शब्द का अर्थ है निस्वार्थ प्यार और बलिदान। मां भगवान् का जीता जागता स्वरूप है। मां खुले दिल से अपने बच्चो का भरपूर ख्याल रखती है। मां वो होती है जो खुद भूखी सो जाए पर अपने बच्चो को भूखा रहने नहीं देती। उसे खुद कितनी भी तकलीफ हो वो जताती नहीं और ऐसे मे भी सिर्फ अपने बच्चो की ही सलामती की दुआ करती है। मां की ममता समुद्र से भी गहरी है।दुनिया में हर शब्द का अर्थ समझा और समझाया जा सकता है। लेकिन मां शब्द का अर्थ समझना और समझाना दोनों ही लगभग नामुमकिन है। मां शब्द का अर्थ समझाना इसलिए नामुमकिन है क्योंकि मां के प्यार को मां के बलिदान को शब्दों में नहीं समझाया जा सकता। इसे सिर्फ अनुभव किया जा सकता है। मां के दिल में जितना प्यार अपने बच्चों के लिए होता है। अगर मां के सभी बच्चे कोशिश भी करें तो उसका कुछ अंश भी अदा नहीं कर सकते।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

स्वास्थ्य रक्षा में सबसे महत्वपूर्ण है नर्सों का योगदान

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता हैं, जिनकी आज हम 204वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

जयंती को 12 मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया जाता है और इस विशेष अवसर पर स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्यरत नर्सिंग कर्मियों के योगदान को नमन करना बेहद जरूरी है। 'लेडी विद द लैंप' के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 203 वर्ष पहले 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से 'फ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कार' की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक बेहद खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थी। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था तथा अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था, इसलिए उनके माता-पिता का मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है। दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों,गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई, जिसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की,जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आई। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंचकर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे,जहां गंदगी,दुर्गंध,दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यो के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से 'लेडी विद द लैंप' कहने लगे थे। दरअसल जब चिकित्सक अपनी ड्यूटी पूरी करके चले जाते,तब भी वह रात के गहन अंधेरे में हाथ में लालटेन लेकर घायलों की सेवा के लिए उपस्थित रहती थी

1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटी, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई और उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है। उनके सम्मान में ही उनके जन्मदिवस 12 मई को 'अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस' के रूप में मनाए जाने की शुरूआत की गई।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

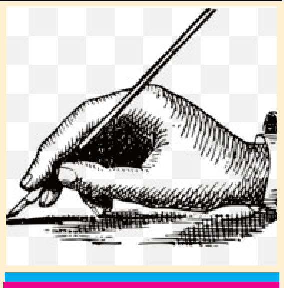

आपने दिलदार...

प्रीति चौधरी मनोरमा
जनपद बुलंदशहर
उत्तरप्रदेश

आपने दिलदार मेरे
दे दिया है दिल मुझे।
आपसे मिल यूँ लगा है
मिल गयी मंजिल मुझे।।
आपकी यादें जगातीं
ही रहीं हैं रात भर,
है बड़ी ही बेकरारी
कुछ नहीं हासिल मुझे।
थी नहीं जुम्बिश जरा सी
दिल बना पत्थर रहा।
आप आये बर्फ़ पिघली
सब कहें काबिल मुझे।
सामने सच ही कहूँ मैं
झूठ से कब वास्ता,
एक अरसा हो गया
सब मानते जाहिल मुझे।
अब नहीं कुछ और भाता
आप को बस चाहती,
हाँ बड़ी बेनूर लगतीं हैं
सभी महफ़िल मुझे।
रंज इतने थे जहाँ में
डूबने को साँस थी,
आपको पाकर लगा है
मिल गया साहिल मुझे।
प्रीति की इतनी तमन्ना है
यही बस आरज़ू,
बिन बताए यार मेरे
एक दिन आ मिल मुझे।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

गर्मी जल्दी आई साथ में प्यास भी गहराई

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी हर घर जल योजना' ने बढ़ते ताप के सामने दम तोड़ दिया।आखिर, धरती का सीना चीर कर गहराई से पानी उलीचने से हर एक का कंठ तर होने से तो रहा। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसद हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गरमी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता-बारहों महीने, तीसों दिन जेठ ही रहता है।कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय-हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले, दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था।समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल-स्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है-तालाब, कुएं, बावड़ी। लेकिन एक बार फिर पीढ़ियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी ओर काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। तभी बीते तीन दशक में केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं के तहत तालाबों से गाद निकालने, उन्हें सहेजने के नाम पर अफरात पैसा खर्च किया गया और नतीजा रहा वही ढाक के तीन पात!'भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश-काल-परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल पण्रालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर जगह हैं। रेगिस्तान में तो उन तालाबों को सागर की उपमा दे दी गई तो कन्नड में कैरे और तमिल में ऐरी। यहां तक कि ऋग्वेद में भी सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है।

-पंकज चतुर्वेदी-

नारियां अब पुरुषों की परछाई नहीं परिवार व समाज का आधार स्तंभ

» महिलाओं के प्रति दृष्टिकोण बदलने की आवश्यकता...

आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है । नारी अब घर में पूज्या

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई हैद्य वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या बेटा। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे-धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी मैं ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित-प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके,सरोजनी नायडू,कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

माँ

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद छत्तीसगढ़

धन्य-धन्य माँ की कोख
जहाँ से जनता वीर पुत
जो काम आता राष्ट्र का
सर्व अर्पित करता अपना
मान रखता माँ का अपना!
धन्य-धन्य माँ की गोद
जहाँ खेलता सब संतान
सिखता संस्कार की बातें
अपूर्व छवि बनाता धरा पर
प्रेरक बनता पूरे समाज पर!
धन्य-धन्य माँ की आंचल
जहाँ पर छुपता ओ बालक
ममता स्नेह का पाठ पढ़ता
एक प्रेम का संसार गढ़ता
सद्भावना का बीज रोपता

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

मन में यदि दृढ़ विश्वास होगा तो किसी भी परिस्थिति में आगे जाने से कोई भी रोक नहीं सकता है : एसपी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के शिक्षाविद् सेवा प्रभाग द्वारा नव विश्व भवन चोपड़ापारा अम्बिकापुर में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये आयोजित उमंग समर कैम्प 2024 का अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर भव्य उद्घाटन किया गया।

इस शुभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल विद्यार्थियों से रूबरू मुलाकात करते हुये कहा कि यह अवस्था जो हैं इस अवस्था में हर प्रकार की चीजों को सीखने का समय हैं, और इसी समय अपना बौद्धिक,चारित्रिक और समाजिक विकास कर सकते है,इसीलिये बच्चों को हर प्रकार के गतिविधियों में रूचि से भाग लेना चाहिये और उसे जीवन में एप्लाई करना भी अति आवश्यक है तभी सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास होना सम्भव हैं। उन्होंने आगे अपने जीवन का अनुभव बच्चों के साथ सांझा करते हुये कहा कि यह उम्र ही ऐसा है जिस समय मन में अनेक प्रश्न होते है,भविष्य को लेकर, कई शंकायें होते है,इन प्रश्नों का जवाब सही दिशा की ओर चल ज्ञान और अनुभव के आधार पर प्राप्त किया और इसी प्रकार मन में यदि दृढ़ विश्वास होगा तो किसी भी परिस्थिति में आगे जाने से कोई भी रोक नहीं सकता है,तथा सफलता प्राप्त करने का कोई भी शार्टकट मार्ग नहीं होता है उसके लिये लगातार मेहनत करनी पड़ती है। कई बार जो लक्ष्य तय किये होते है उसमें छोटी- मोटी असफलतायें भी मिलती है,लेकिन ये असफलतायें अनुभवी बनाने और नया सिखाने के लिये आती है इसलिये इससे डरना नहीं बल्कि अपने विचारों को शुद्ध रखना है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुये कि बच्चे आंतरिक रूप से शक्तिशाली और सशक्त बने यही इस समर कैम्प का मुख्य उद्देश्य है, क्योंकि वर्तमान समय बच्चे बाहरी रूप से सशक्त तो बन रहे है, किन्तु कहीं न कहीं आन्तरिक रूप से स्वयं को कमजोर और भयभीत महसूस करते है, इसीलिये ऐसे वातावरण से बचने के लिये आन्तरिक विकास अति आवश्यक है।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय अम्बिकापुर के अधिष्ठाता एसके. सिंह ने कहा कि इस उम्र में तीन काम बहुत महत्वपूर्ण है...खूब खाओं,खूब खेलों, खूब पढों और खूब इन्जॉय करो,पढनें के समय पढों, खेलने के समय खेलो और कहीं कुछ बोलने पर झिझक हो, तो एकांत में जाकर हंसे और स्वयं से बाते करें। बीके प्रतिमा बहन ने विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हुये कहा कि यहाँ जो बातें बतायी जा रही है, उसे बहुत ध्यान से और एक्टिव हो सुन उसे जीवन में आत्मसात करें और उन्होंने बच्चों को नियमित दिनचर्या बनाने के लिये कुछ महत्वपूर्ण बातें बतायी। यह समर कैम्प आज से 19 मई 2024 तक सुबह 8.30 से 10.30 बजे तक चलेगा। जिन बच्चों ने समर कैम्प में रजिस्टेशन नहीं कराया है वे कल भी आकर रजिस्ट्रेशन करा, कैंप में भाग ले सकते है। समर कैम्प में अम्बिकापुर के सभी शासकीय और निजी स्कूलों के बच्चों ने बढ़- चढकर हिस्सा लिया।

श्यामनगर के 10 वीं, 12 वीं का शत-प्रतिशत रहा परीक्षा परिणाम

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें सूरजपुर के जिला शिक्षा अधिकारी आरएल पटेल के निर्देशन और मार्गदर्शन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय श्यामनगर का परीक्षा फल शतप्रतिशत रहा। इस सफलता के लिए उनहोंने बधाई प्रेषित किया है। प्राचार्य प्रदीप कुमार जायसवाल ने विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को एवं उनके अभिभावकों का मुंह मीठा कराकर पुष्प हार देकर शुभकामनाएं दिया। उन्होंने कहा कि होनहार विद्यार्थियों ने हमारे विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। इनके बदौलत आज हम विकासखंड एवं जिला स्तर पर उत्कृष्ट स्थान हासिल कर सके हैं। राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्यामनगर के बच्चों एवं शिक्षकों ने कड़ी मेहनत की, जिसके परिणाम स्वरूप 10 वीं और 12वीं का परीक्षा फल शतप्रतिशत रहा। इस विद्यालय का परीक्षा परिणाम विगत 2018 से लगातार शतप्रतिशत रहा है। इस वर्ष हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा में कुल 43 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे जिसमें मेरिट 3 विद्यार्थी,फर्स्ट डिवीजन 23 विद्यार्थी सेकेण्ड डिवीजन,17 विद्यार्थी थर्ड डिवीजन रहे। हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में कुल 60 विद्यार्थी परीक्षा में बैठे जिसमें मेरिट 4, फर्स्ट डिवीजन 30 और सेकंड डिवीजन 26 विद्यार्थी रहे। विद्यालय स्तर पर 12 वीं विज्ञान संकाय में प्रथम स्थान कुमारी छाया, 73 प्रतिशत,द्वितीय स्थान कुमारी राधा 71 प्रतिशत और ओमप्रकाश ने 69 प्रतिशत अंक हसिल कर तीसरे स्थान पर प्राप्त किया। गणित समूह में प्रथम स्थान पर रमेश 89 प्रतिशत, द्वितीय आंचल यादव 81 प्रतिशत और रोशन ने 78 प्रतिशत अंक हसिल कर तीसरे स्थान पर प्राप्त किया। कला संकाय में प्रथम स्थान पवन कुमारी 87 प्रतिशत, द्वितीय आरती 67 प्रतिशत, प्रिंसी एक्का ने 66 प्राप्त अंक हसिल कर तीसरे स्थान पर प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय में प्रथम उर्मिला राजवाड़े 67 प्रतिशत, द्वितीय नीरा 64 प्रतिशत, और उषा नें 63 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान पर प्राप्त किया। हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में विद्यालय स्तर पर प्रथम कुमारी ऐश्वर्या प्रजापति 93 प्रतिशत,द्वितीय साकेत राजवाड़े 89 प्रतिशत और जसवंत राजवाड़े ने 86 प्रतिशत अंक हसिल कर तृतीय स्थान हासिल किया है।

ओपीएस के यश को राष्ट्रीय ताइक्वांडो में गोल्ड मेडल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

ओरिएण्टल पब्लिक स्कूल के कक्षा 12 वीं का विद्यार्थी यश कथूतिया, पिता एसके कथूतिया ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ एवं सरगुजा संभाग सहित विद्यालय को गोरवान्वित किया है।

यश कथूतिया का चयन राज्य ताइक्वांडो टीम के 17 वर्ष आयु वर्ग के 63 किलो भार वर्ग में हुआ था। जिसके बाद राज्य टीम दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक राष्ट्रीय ताइक्वांडो स्पर्धा आयोजित हुआ एवं यश ने गोल्ड मेंडल जीता। इसके पहले भी यश कथूतिया राज्य स्तरीय स्पर्धा में स्वर्ण पदक, सीबीएसई ताइक्वांडो स्पर्धा के लिय भी चयनित होकर राष्ट्रीय सीबीएसई ताइक्वांडो स्पर्धा जो कि नोइडा, उत्तर प्रदेश में हुआ था, उसमें भाग लिया था। इसके अलावा स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इंडिया के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर सलेक्शन ट्रायल,जो कि 19 फरवरी 2024 को साई स्पोर्टस सेन्टर,सरोजिनी नगर,लखनऊ में आयोजित हुआ था। इसमें भी यश कथूतिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। यश की इस उपलब्धि पर ओपीएस के प्राचार्य डॉ. आईएखान सूरी ने बधाई दी है।

दो जुआड़ी पकड़ाए, 10 हजार रुपए जब्त

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

कोतवाली पुलिस ने जुआ खेलते दो लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने इनके

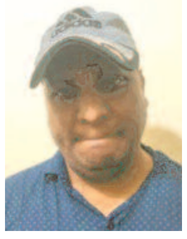

कब्जे से 10 हजार रुपए भी जब्त किया हैं। जानकारी के अनुसार 10 मई की शाम को कोतवाली पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। तभी मुखबिर से जानकारी मिली की नावागढ़ में बिजली खंभा के पास सार्वजनिक स्थान पर कुछ व्यक्ति जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पलिस मौके पर पहुंचकर राजू खान उर्फ करीम खान उम्र 39 वर्ष निवासी मोमिनपुरा व शकील खान उम्र 38 वर्ष निवासी छन्नादफाई थाना चिरमरी जिला कोरिया निवासी को पकड़ा है। वहीं अन्य लोग मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने जुआडियों के कब्जे से 10 हजार रुपए व ताश पत्ती जब्त किया गया है। पुलिस ने जुआडियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

चोरी की बाइक के साथ कोतवाली पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार अनिल सोनी शहर के गुरुद्वारा के पीछे स्कूल रोड का रहने वाला है। वह 9 मई की रात को अपने स्टेशनरी दुकान बंद कर बइक क्रमांक सीजी 11 एसी 5702 को दुकान के बाहर छोड़ दिया था। दूसरे दिन सुबह जाकर देखा तो उसकी बाइक नहीं थी। किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी। अनिल ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई थी। मामले में पुलिस ने आरोपी परदेशी चौहान उम्र 26 वर्ष निवासी डांडगांव उदयपुर व सोहरू उर्फ बरी मरकाम उम्र 25 वर्ष निवासी बघिमा चौकी बारियों थाना राजपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की बाइक जब्त की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना कोतवाली से सहायक उप निरीक्षक अरुण दुबे, स्पेशल टीम प्रभारी सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, आरक्षक राहुल सिंह, दीपक दास, शिवमंगल सिंह, उपेंद्र सिंह, सत्येंद्र दुबे, अमित विश्वकर्मा, संजीव चौबे, विवेक राय शामिल रहे।

गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की 163 वीं जयंती में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

राष्ट्रगान के रचिता गुरुदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की 163 वीं जयंती 9 मई को मनाई गई। इस अवसर पर आद्या बंग महिला समिति द्वारा दुर्गाबाड़ी में रविन्द्र

स्मरण और सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। आद्या बंग महिला समिति के सदस्य वन्दना दत्ता ने रविन्द्र नाथ टैगोर के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन मीना वर्मा,सुनीता दास द्वाराक किया गया। इस दौरान लिली बसु, हेना सेन डॉ. तृप्ति विश्वास,मानवी दत्ता, संगीता मुखर्जी, सुंनंदा, अनिमा मजूमदार, अनामिका चक्रवर्ती, पोम मुखर्जी, राखी चक्रवर्ती द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में कुलदीप सिंह कथूर, हरिशंकर त्रिपाठी, मानिक सेन, जपेंद्र लहरी, प्रितपाल सिह अरोरा, चंद्र शेखर तिवारी, मंगल पांडेय, भोलरजन सेन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

परशुराम जयंती के अवसर पर ब्राम्हण समाज ने ढोल नगाड़े के साथ निकाली भव्य शोभायात्रा

» सैकड़ों की संख्या में ब्राम्हण समाज के लोग हुए शामिल...

» नगर में पहली बार निकाली गई शोभायात्रा...

- संवाददाता -
उदयपुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

ब्राह्मण समाज उदयपुर द्वारा शुक्रवार को नगर में परशुराम जयंती के अवसर पर भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया शोभायात्रा में उदयपुर लखनपुर तथा अन्य जगहों के ब्राम्हणजन सपरिवार शामिल हुए सर्वप्रथम उदयपुर शिव मंदिर प्रांगण में भगवान परशुराम के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्पण किया गया तथा सभी महिला पुरुष बच्चे खड़े होकर भगवान परशुराम का भजन पूजन एवं आरती किया गया सभी आए हुए प्रबुद्ध जनों को तिलक लगाकर एवं रक्षा सूत्र बांधकर शोभा यात्रा को रवाना किया गया शोभायात्रा में भगवान परशुराम रथ के साथ ढोल नगाड़ा एवं बाजे गाजे के साथ शिव मंदिर प्रांगण से भगवान परशुराम का जय घोष करते हुए ब्राह्मण समाज के साथ अन्य व्यक्तियों के द्वारा भी शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए नगर भ्रमण करते हुए बस स्टैंड से होकर जनपद पंचायत होते हुए साई ऑफसेट होते होकर पुनः बस स्टैंड होते हुए सेंट्रल बैंक चौक से रेस्ट हाउस तक शोभायात्रा को नाचते गाते ढोल नगाड़ों के साथ पुनः बस स्टैंड होते हुए शिव मंदिर प्रांगण में शोभायात्रा को वापस लाया गया जहां पर पूरी पकवान एवं जलपान का व्यवस्था किया गया था जहां शोभा यात्रा में आए हुए बूढ़े बच्चे एवं वरिष्ठ जन प्रसाद ग्रहण किया यह शोभा यात्रा उदयपुर नगर में प्रथम बार किया गया एवं ब्राह्मण समाज ने एकजुट होकर समाज में फैल रहे बुराइयों को नष्ट करने का एक जुटता दिखाई और भगवान परशुराम के आदर्शों पर चलकर अधर्म के रास्ते पर चलने वाले लोगों को धर्म के रास्ते पर लाने और हर वर्ष यह शोभायात्रा निरंतर जारी करने की बात कही जिसमें उपस्थित ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ जन श्री सी एल दुबे के एन तिवारी,श्याम तिवारी,अखिलेश उपाध्याय,रमाशंकर मिश्रा,दीपक उपाध्याय रिंकू पांडे,ऋ षि पांडे,संतोष पांडे,अजय पांडे,बृजेश पांडेय,बृज किशोर पांडेय उमाशंकर मिश्रा,विनय कुमार दुबे,नरेश मिश्रा,दीनानाथ पांडेय,सत्यनारायण तिवारी भैया लाल दुबे,वीरेंद्र कुमार पाठक ,मनीष पांडेय,पिंकू दुबे,विजय उपाध्याय शिवकुमार मिश्र एवं सैकड़ो नौजवान एवं नवयुवति बच्चों सहित शामिल हुए।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल केशवपुर के छात्र निलेश ने दसवीं में 93% अंक अर्जित कर स्कूल का नाम किया रोशन

» कांग्रेस शासन काल में बना आत्मानंद विद्यालय के छात्रों बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन।

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

स्वामी आत्मानंद विद्यालय कांग्रेस सरकार की देन है पुराने विद्यालयों को ही उन्नयन करके यह नाम दिया गया था,अब इस स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों का बोर्ड परीक्षा में अच्छा परिणाम आना कहीं ना कहीं उस विद्यालय का भी नाम रोशन कर रहा है और कांग्रेस शासन काल के इस विद्यालय की ख्याति बढ़ रही है, ऐसा ही एक छात्र निलेश यादव पिता सुरेश यादव माता अंगवती यादव के पुत्र ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में 93 प्रतिशत अंक अर्जित करके अपने माता-पिता सहित विद्यालय का नाम रोशन किया है, बता दें कि नितेश यादव मध्यम वर्ग से आते हैं और उनके पिता छोटा-मोटा व्यापार करके निलेश यादव की शिक्षा को बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं,निलेश कुमार यादव अंबिकापुर नमनाकला निवासी ने शा0 स्वामी आत्मानन्द अंग्रेजी माध्यम स्कूल केशवपुर (अम्बिकापुर के 10 वी बोर्ड में 93 प्रतिशत अंक अर्जित कर स्कूल में पहला स्थान हासिले कर अपने स्कूल एवं सरगुजा का नाम रोशन किया, इन्होने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल प्राचार्य एवं माता-पिता को दिया इससे पूर्व मे भी 5 वी 85 प्रतिशत एवं 8 वीं में 87.1. अंक अर्जित किया है। अपनी रूची पढ़ाई में बताते हुए सिविल सर्विस विषय लेकर इंजिनियरिंग फिल्ड का चुनाव चयन करना बताया।

राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को अदालत से मिली राहत,भ्रष्टाचार के दो मामलों में नहीं होगी कार्रवाई

इस्लामाबाद,11 मई 2024। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को भ्रष्टाचार के दो मामलों में अदालत से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उनके खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगाई है।

पार्क लेन और तोशखाना मामले में कार्रवाई पर रोक

बता दें कि पार्क लेन और तोशखाना मामले में जरदारी के खिलाफ पाकिस्तान के राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) द्वारा जांच की जा रही थी। जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश नसीर जावेद राणा इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। एक न्यूज रिपोर्ट के अनुसार अदालत ने राष्ट्रपति जरदारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ दो मामलों में कार्रवाई पर रोक लगाई।

जरदारी को राहत दते हुए अदालत ने सुनाया फैसला

न्यायाधीश ने बताया कि राष्ट्रपति जरदारी ने संविधान के अनुच्छेद 248(2) के तहत राहत की मांग की थी। जिसके बाद, याचिकाकर्ता के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती। राष्ट्रपति की याचिका पर सरकारी वकील ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। इसके बाद अदालत ने फैसला लिया कि जब तक जरदारी राष्ट्रपति पद पर बने रहेंगे, तब तक उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी। कोर्ट ने इस बारे में लिखित आदेश जारी किया है।

इन मामलों में जांच से मिली राहत

जरदारी को पार्क लेन और तोशखाना मामले में राहत मिली है। पार्क लेन मामले में जरदारी पर 2008 से 2013 तक अपने पहले कार्यकाल के दौरान अधिकारियों से सांठगांठ करने का आरोप है। यह भी आरोप है कि उन्होंने अपनी प्रमुख कंपनियों के लिए ऋण प्राप्त किया और पाकिस्तान को 3.77 अरब रुपये का नुकसान पहुंचाया।

तोशखाना मामले में जरदारी पर सरकारी भंडार में मौजूद कीमती गाड़ियों को हेराफेरी कर खरीदने का आरोप है। दरअसल तोशखाना ऐसा भंडार है, जहां विदेशी देशों द्वारा पाकिस्तानी नेताओं को उपहार में दी गई सभी महंगी गाड़ियां या वस्तुएं जमा की जाती हैं। आरोप है कि इन गाड़ियों की कीमत का महज 15 फीसदी भुगतान करके राजकोष से लग्जरी कारें हासिल की गईं।

अफगानिस्तान में बाढ़ के कारण 300 से अधिक लोगों की मौत; कई प्रांतों में मंजर भयावह

काबुल,11 मई 2024। अफगानिस्तान में भयानक बाढ़ की खबर है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया में आई खबरों के मुताबिक 300 से अधिक लोगों की मौत हुई है। समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि अचानक आई बाढ़ में 300 से अधिक अफगानी मारे गए हैं। बगलान में प्राकृतिक आपदा प्रतिक्रिया के प्रमुख हेदायतुल्ला हमदर्द ने बताया कि बुर्का,नाहरीन और केंद्रीय बगलान में बाढ़ आई है। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को ढूंढने के लिए अभियान चलाया गया है। मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है। तालिबान स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि बाढ़ग्रस्त इलाकों में बचाव दल पहुंच चुका है। घायलों को सेंट्रल अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। फिलहाल, बाढ़ के कारण हताहत होने वालों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। इस्लामिक अमीरात के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने बाढ़ पीड़ितों के लिए संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रक्षा और गृह मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि लोगों को बचाने के लिए सभी उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करें।

इस महीने की शुरुआत में भारी बारिश के कारण देशभर में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी, जिसमें 14 लोगों की जान चली गई।

मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर बोले, 76 भारतीय सैनिकों की जगह एचएएल कर्मचारियों ने ली

नई दिल्ली,11 मई 2024। मोहम्मद मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत-मालदीव के बीच रिश्ते में उथल-पुथल शुरू हो गई है। इस बीच, मालदीव के विदेश मंत्री ने बताया कि 76 भारतीय सैन्य कर्मियों की जगह हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के नागरिक कर्मचारियों ने ली है। एक दिन पहले, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने बताया था कि भारत ने निर्धारित समय से पहले ही अपने सभी सैनिकों को वापस बुला लिया है। दरअसल, मुइज्जू सरकार ने भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी के लिए 10 मई तक की समयसीमा निर्धारित की थी। राष्ट्रपति मुइज्जू को एक चीन समर्थक नेता के तौर पर देखा जाता है। पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान मालदीव में तैनात 90 भारतीय सैनिकों को वापस भेजना ही मुइज्जू की प्रमुख प्रतिज्ञा थी।

विदेश मंत्री ने दी जानकारी- मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को भारत दौरे से वापस मालदीव पहुंचे विदेश मंत्री मूसा जमीर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बताया कि सात से नौ मार्च के बीच गन से 26 सैनिकों को वापस बुलाया गया। हनीमाधू से सात से 19 अप्रैल के बीच, 25 सैनिकों को वापस बुलाया गया तो वहीं, कधधू से मंगलवार को 12 और गुरुवार को अंतिम 13 सैनिकों को वापस बुला लिया गया। गौरतलब है कि मालदीव की सरकार ने इससे पहले बताया था कि दो हेलीकॉप्टर और एक जहाज के रखरखाव के लिए मालदीव में 89 भरतीय सैनिक हैं।

उप-प्रधानमंत्री डार अगले सप्ताह जाएंगे चीन...सऊदी अरब के प्रिंस सलमान ने टाली पाकिस्तान की यात्रा

इस्लामाबाद,11 मई 2024। सऊदी अरब के प्रिंस वली अहद मोहम्मद बिन सलमान अब पाकिस्तान नहीं आ रहे हैं। अज्ञात कारणों से उन्होंने यात्रा टाल दी है। बताया जा रहा है कि दो दिवसीय यात्रा पर 19 मई को इस्लामाबाद आने की उम्मीद थी। वहीं, पाकिस्तान के नवनियुक्त उप प्रधानमंत्री इशाक डार अगले सप्ताह चीन की यात्रा पर जाएंगे।

वली अहद की यात्रा टालने पर विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलूच ने शुक्रवार को कहा कि इस्लामाबाद और रियाद के बीच कार्यक्रम तय होते ही यात्रा का विवरण सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि यह यात्रा जल्द ही होगी और निश्चित रूप से मूल्यवान होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के लोग उत्सुकता से वली अहमद की प्रतीक्षा कर रहे थे।

पाकिस्तान के लिए अहम थी यह यात्रा मार्च में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब की यात्रा के बाद पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में राजनयिक और व्यापार संबंधी व्यस्तताओं के बाद उच्च स्तरीय यात्रा होने की संभावना थी। बताया जा रहा था कि नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए सऊदी अरब के नेता का आना बहुत महत्वपूर्ण था।

अगर वली अहद मोहम्मद बिन सलमान पाकिस्तान की यात्रा पर आते हैं तो यह इस देश के लिए काफी मददगार होगा। सऊदी अरब आने वाले दिनों में पाकिस्तान में पांच अरब डालर का निवेश कर सकता है। बता दें, यह पांच साल में मोहम्मद बिन सलमान की पाकिस्तान की पहली यात्रा होती, इससे पहले वह पिछली बार फरवरी 2019 में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के शासन के दौरान देश के दौरे पर आए थे।

उप प्रधानमंत्री इशाक डार अगले सप्ताह चीन जाएंगे

पाकिस्तान के नवनियुक्त उप प्रधानमंत्री इशाक डार 13 मई को चीन की तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। इस दौरान वह शीर्ष चीनी नेताओं से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा करेंगे, जिसमें अरबों डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना का उन्नयन भी शामिल है।

पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन को झटका,सुप्रीम कोर्ट के आदेश से गंवानी पड़ीं 27 आरक्षित सीटें

इस्लामाबाद, 11 मई 2024। पाकिस्तान में पीएमएलएन के नेतृत्व वाली सत्ताधारी गठबंधन को पंजाब में बड़ा झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सत्ताधारी गठबंधन को पंजाब असेंबली में 27 आरक्षित सीटें गंवानी पड़ी हैं। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले में निचली अदालत के आदेश पर रोक लगाते हुए सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल को इसके हिस्से की आरक्षित सीटें देने का आदेश दिया था। ये सीटें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं।

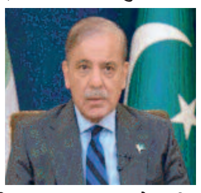

पीएमएलएन गठबंधन को बड़ा झटका

पंजाब असेंबली के स्पीकर मलिक मोहम्मद अहमद ने राज्य की 27 सीटों पर सदस्यों की नियुक्ति को अवैध बताते हुए उनके असेंबली की कार्यवाही में शामिल होने पर रोक लगा दी। स्पीकर ने कहा कि जब तक चुनाव आयोग या सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके स्टेटस के बारे में स्पष्ट नहीं किया जाता, तब तक वे असेंबली सदस्य के तौर पर काम नहीं कर पाएंगे। निलंबित किए गए 27 असेंबली सदस्यों में से 23 सदस्य नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के सदस्य हैं। वहीं दो पाकिस्तान पीपल्स पार्टी और एक-एक पीएमएल-क्यू और आईपीपी का सदस्य है।

एयरलाइन की लापरवाही, शव छोड़ सैकड़ों किमी दूर पहुंचा विमान; स्कर्दू में आहत माता-पिता का हंगामा

इस्लामाबाद,11 मई 2024। पाकिस्तान से एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है। यहां एक विमान के कर्मचारी एक छह साल के बच्चे का शव जमीन पर ही पड़ा छोड़ गए। दरअसल, इस्लामाबाद से स्कर्दू जा रहे पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के एक विमान के कर्मचारी छह साल के बच्चे का शव विमान में ही रखना भूल गए। जबकि इस बात से अनजान माता-पिता ने उड़ान भर ली थी। जब माता-पिता स्कर्दू पहुंचे तो उन्हें पता चला कि उनके बच्चे का शव इस्लामाबाद के हवाई अड्डे पर ही रह गया है, यह सुनते ही वह बेहोश हो गए।

बच्चे को था ट्यूमर

खारमांग जिले के कात्शी गांव का रहने वाला मुजतबा ट्यूमर से जूझ रहा था। शुरुआत में उसका इलाज स्कर्दू में किया गया। बाद में उसे इलाज के लिए रावलपिंडी भेजा गया, जहां वह कई हफ्तों तक बेनजीर भुट्टो अस्पताल में भर्ती रहा। हालांकि, मुजतबा को बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई।

कात्शी लाना चाहते थे शव

बच्चे की मौत पर माता-पिता को गहरा सदमा लगा। वह बेटे के शव को दफनाने के लिए अपने गांव कात्शी लाना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने पीआईए के विमान से यात्रा करने का फैसला लिया, जो शुक्रवार को उड़ान भरने वाली थी। शुक्रवार को माता-पिता अपने बेटे का शव लेकर हवाई अड्डे पर पहुंचे। उन्होंने सभी औपचारिकताएं पूरी कीं।

मृत बच्चे के एक रिश्तेदार इब्राहिम असदी ने बताया कि परिवार के सुबह नौ बजे के निर्धारित प्रस्थान में देरी हुई, जिससे उनका प्रस्थान दोपहर एक बजे तक बढ़ गया। उन्हें इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि इस देरी के बीच एक गंभीर गलती हुई है। एक ऐसी गलती जो स्कर्दू पहुंचने पर उन्हें तोड़कर रख देगी।

माता-पिता फूट-फूटकर रोए

स्कर्दू हवाई अड्डे पर दो बजे माता-पिता को इस बात का पता लगा कि उनके बेटे का शव इस्लामाबाद में ही रह गया है। यह जानते ही माता-पिता फूट-फूटकर रोने लगे। हवाईअड्डे पर चीख पूकार मच गई। गुस्से से आग बबूला परिवार ने एयरलाइन प्रबंधन से जवाबदेही और न्याय की मांग की।

सरगुजा पुलिस द्वारा चलाया गया 'ऑपरेशन विश्वास' अभियान

जिले भर मे यातायात के नियमो की अवहेलना करने वाले कुल 52 वाहन चालको से कुल 30600/- रुपये समन शुल्क किया गया वसूल

- वाहन चलाते समय मोबाइल फ़ोन पर बात करने वाले वाहन चालको के विरुद्ध कुल 09 वाहन चालको से कुल 2700/- रुपये समन शुल्क किया गया वसूल
- वाहन चालको द्वारा मौके पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नही करने के कुल 22 वाहन चालको से 6600/- रुपये समन शुल्क किया गया वसूल
- दोपहिया वाहन मे तीन सवारी वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कुल 06 वाहन चालकों से 3000/- रुपये समन शुल्क किया गया वसूल
- लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वाले 02 वाहन चालकों से 4000/- रुपये समन शुल्क किया गया वसूल
- अन्य यातायात नियमो की अवहेलना करने वाले 10 वाहन चालकों से कुल 11700/- रुपये समन शुल्क किया गया वसूल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा पुलिस द्वारा जारी अभियान ऑपरेशन विश्वास के तहत यातायात के नियमो की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही की जा रही हैं, इसी क्रम मे कल दिनांक को यातायात पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान जारी रखा गया चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चलाते समय मोबाइल फ़ोन मे बात करने वाले वाहन चालकों, मौके पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने,रेड सिग्नल जम्प करने वाले वाहन चालकों एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वाले वाहन चालकों, असवैधानिक पार्किंग के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही करते हुए कुल 52 वाहन चालको से 30600/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया हैं।

कार्यवाही के दौरान वाहन चलाते समय मोबाइल फ़ोन पर बात करने वाले 09 वाहन चालको से कुल 2700/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया,मौके पर वाहनों के दस्तावेज प्रस्तुत नही करने पर 22 वाहन चालकों से 6600/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया, दोपहिया वाहन मे तीन सवारी वाहन चलाने वाले कुल 06 वाहन चालकों से कुल 3000/- रुपये समन शुल्क किया गया हैं,लापरवाही पूर्वक खतरनाक ढंग से वाहन चलाने वाले 02 वाहन चालकों से कुल 4000/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया हैं, साथ ही अन्य यातायात नियमो की अवहेलना करने वाले 10 वाहन चालकों से कुल 11700/- रुपये समन शुल्क वसूल किया गया हैं।

सरगुजा पुलिस द्वारा यातायात नियमो के प्रति जागरूकता एवं यातायात नियमो के पालन हेतु सख्ती से लगातार कार्यवाही जा रही हैं, सरगुजा पुलिस आमनागरिकों से अपील करती हैं कि आमनागरिक यातायात के नियमो का पालन करें, सरगुजा पुलिस आमनागरिकों की सेवा एवं सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर हैं।

चार सालों से लगातार पाँच सितारा खिताब के साथ पीईकेबी खदान बना छत्तीसगढ़ का प्रथम खदान

- राजस्थान सरकार की सरगुजा स्थित खदान को श्रेष्ठ संचालन के लिए कोयला मंत्रालय ने नवाजा

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा खदानों के संचालन प्रणाली, पर्यावरण सुरक्षा व सुरक्षा इंतजामों तथा नये उपकरणों के उपयोग इत्यादि कठिन मापदंडों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए परसा ईस्ट कांता बासन (पीईकेबी) ओपनकास्ट कोयला खदान को लगातार चौथे साल में भी पाँच सितारा खदान के खिताब से नवाजा गया है। जिले के उदयपुर ब्लॉक में राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) की पीईकेबी कोयला खदान ने ओपन कास्ट कोयला खदानों के अनुभागों में पाँच सितारा सम्मान पिछले चार सालों से लगातार मिलने से छत्तीसगढ़ में नया रिकार्ड कायम किया है। राजस्थान के निगम की इस खदान से राज्य की 4340 मेगावाट क्षमता की तापीय विद्युत परियोजनाओं को कोयले की आपूर्ति की जाती है जिससे आठ करोड़ उपभोक्ताओं को सस्ती और निरंतर बिजली मिल पा रही है। भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा आयोजित और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के मार्गदर्शन में खदानों को पाँच सितारा रेटिंग के लिए बेहद सख्त सात मॉड्यूलों में खुली खानों और भूमिगत खानों के मूल्यांकन पैरामीटर विनिर्दिष्ट किये गए हैं। जिनमें भारत की 47 भूमिगत और 50 खुली खानों द्वारा स्व-मूल्यांकन के लिए विस्तृत मापदंडों के तहत आवेदन करना होता है।

पीईकेबी खदान को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में केन्द्रीय कोयला मंत्री, प्रल्हाद जोशी द्वारा पाँच सितारा खान से सम्मानित करते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। जिसे राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम की ओर से निदेशक (तकनीकी) देवेन्द्र श्रृंगी ने प्राप्त किया।

Ministry of Coal
Certificate of Star Rating of Coal Mines
Category: Opencast Mine
Parsa East and Kanta Basan Coal Mine of RRVUNL has been rated 5 Star in the Annual Rating of Coal Mines in India for the year 2019-20. It has been awarded First prize in the Five Star category.
Secretary to Government of India
20th December, 2023

एक नजर स्व-मूल्यांकन एवं सत्यापन के पारदर्शी प्रक्रिया पर

पीईकेबी खदान द्वारा खनन संचालन, पर्यावरण, प्रौद्योगिकियों को अपनाना एवं सर्वोत्तम खनन अभ्यास,आर्थिक प्रदर्शन,पुनर्वास और पुनर्स्थापन, कर्मचारी स्वास्थ्य और सुरक्षा अनुपालन संबंधी कारक में वर्ष 2022-23 में 93 फीसदी अंक के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। दरअसल राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की टीम द्वारा मूल्यांकन पैरामीटर में सभी लागू मापदंडों के अधिकतम अंकों का योग और उनके उच्चतम प्रतिशत के अनुसार ही सितारा का खिताब आवंटित किया जाता है, जैसे 91 से 100 फीसदी अंकों को 5 स्टार, 81 से 90 फीसदी में 4 स्टार, 71 से 80 फीसदी को 3 स्टार, 61 से 70 फीसदी को 2 स्टार, 41 से 60 फीसदी को 1 स्टार का सम्मान दिया जाता है वहीं 0 से 40 फीसदी अंकों पर कोई भी सितारा नहीं दिया जाता है। खान प्रबंधन द्वारा घोषित स्व-मूल्यांकन के बाद इसके मान्यकरण के लिए कोयला मंत्रालय का 'कोयला नियंत्रक संगठन' उत्तरदायी होता है। मुख्य नियंत्रण अधिकारी के क्षेत्रीय कार्यालय अपने अधिकार क्षेत्र के तहत कोयला खानों के सत्यापन व समन्वय के लिए जिम्मेदार होते हैं। प्रत्येक टीम में मुख्य नियंत्रण अधिकारी प्रतिनिधि सहित 3 सदस्य होते हैं और टीम का कोई भी सदस्य उसी खदान से ताल्लुक नहीं रखता जिसकी खदान का सत्यापन किया जा रहा हो। सीसीओ द्वारा निर्दिष्ट समय-सीमा में पारदर्शी तौर पर उन्हें खानों को सौंपा जाता है जिन्हें प्रत्येक समिति द्वारा मान्य किया गया हो।

चार सालों से निरंतर पाँच सितारा खदान घोषित

उपरोक्त प्रक्रिया को नियमतः पूर्ण करने के पश्चात कोयला मंत्रालय द्वारा खानों को पाँच सितारा मान्यता और पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है जिनमें वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक के सत्यापित कुल 20 भूमिगत खदानें तथा 48 ओपेनकास्ट खदानें शामिल हुई। इसमें आरआरवीयूएनएल की पीईकेबी खुली खदान को वर्ष 2019-20, 2020-21, 2021, 22 और 2022-23 के लिए सभी सत्यापन प्रक्रियाएं पूर्ण की गई। इसके साथ ही सीसीओ द्वारा पीईकेबी को क्रमशः स्टार रेटिंग और रिपोर्टिंग वर्ष का उक्ष्लेख करते हुए आधिकारिक प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। पाँच सितारा पुरस्कार से सम्मानित आरआरवीयूएनएल की सरगुजा जिले के उदयपुर ब्लॉक में स्थित पीईकेबी खदान के माइनिंग डेवलपर तथा ऑपरेटर के तौर अदाणी समूह की अदाणी नेचुरल रिसोर्सेस कार्यरत है।

एक तरफ शिवा साहू पर एफआईआर पर एफआईआर दर्ज हो रहा है वहीं असफाक को संरक्षण कैसे मिल रहा है?

आय से ज्यादा संपत्ति के मामले में असफाक उनके पिता संदेह के घेरे में...जांच की जहमत उठाएगा कौन?

असफाक के एजेंट सक्रिय एजेंट की तरह लोगों से निवेश करवा रहे हैं पैसे, एजेंट ले रहे पैसे वापसी की गारंटी

क्या पुलिस के कर्मचारी भी लगा रखे हैं पैसे क्या इसी वजह से नहीं हो रही है कार्यवाही?

जिनकी औकात कभी बाइक चढ़ने की नहीं थी अशफाक के पास पैसे लगाकर चल रहे हैं थार जैसे कार में...

-ओंकार पाण्डेय-
सुरजपुर,11 मई 2024 (घटती-घटना)।

प्रदेश के सारंगढ़-बिलाईगढ़ के शिवा साहू जो लोगों को पैसा दुगना करने का लालच देकर उनका पैसा अपने पास निवेश करवाते थे और आठ महीने में पैसा दुगना करने का वह वादा करते थे के ऊपर अब कानून का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है और एक और प्राथमिकी शिवा साहू के ऊपर एक किसान के आवेदन पर दर्ज हुई है जिसने 26 लाख रुपए के ठगी का आरोप शिवा साहू पर लगाया है। मामला चिटफंड जैसे व्यवसाय से जुड़ा हुआ है और शिवा साहू पर पहले भी प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है वहीं वह फिलहाल फरार है साथ ही उसके परिजनों से पुलिस की पूछताछ जारी है। शिवा साहू का नाम प्रदेश में खासकर सारंगढ़-बिलाईगढ जिले में हाल ही में कुछ महीनों से प्रसिद्ध हुआ था जब उसके महंगे शौक महंगी गाड़ियों में उसका घूमना और लोगों को भी गाडियां और महंगे उपहार देने का मामला उजागर हुआ था साथ ही यह भी बात पता चली थी की वह कम समय में लोगों के पैसे दुगने कर देता है और वह शेयर मार्केट में पैसा निवेश कर ऐसा करता है जिसके कारण उसके पास लोगों ने जमकर निवेश किया और जबतक निवेश उसके पास आता रहा वह लोगों को पैसे वापस समय पर करता रहा वहीं जब आवक कम हो गई वह निवेश की गई राशि लौटा पाने में असमर्थ हो गया और अब वह फरार है क्योंकि पैसा निवेश करने वाले अपना पैसा वापस मांग रहे हैं और वह वापस कर पाने में असमर्थ है फरार है। शिवा साहू की ही तरह सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले का एक नाम भी इसी तरह हाल फिलहाल में प्रसिद्ध हुआ है जो लोगों को उनका पैसा जल्द दुगना करने का लालच दे रहा है जिसकी वजह से लोग उसके पास पैसे निवेश कर रहे हैं और वह निवेश करने वालों को खासकर ज्यादा निवेश करने वालों को महंगे उपहार भी प्रदान कर रहा है जिसमे महंगी गाडियां शामिल हैं वहीं महंगे मोबाइल सहित अन्य उपहार भी वह लोगों को प्रदान कर रहा है जैसा जो निवेश कर रहा है उस हिसाब से... सुरजपुर जिले के बसदेई पुलिस चौकी अंतर्गत आने वाले ग्राम शिव प्रसाद नगर का निवासी असफाक उल्लाह आजकल अपने पैसा दुगना करने वाले स्कीम के चलते काफी प्रसिद्ध है और वह काफी महंगे शौक भी रखने लगा है वहीं वह काफी संपत्ति भी इसी व्यवसाय से अर्जित कर चुका है। असफाक उल्लाह के पास विदेशी गाड़ियों सहित देश में निर्मित महंगी गाडियां हैं वहीं वह अन्य महंगे शौक भी रखता है।

घटती-घटना | अम्बिकापुर 20 मार्च 2024 | 5
क्या अशफाक उल्लाह के अचानक करोड़पति बनने का रहस्य
पुलिस प्रशासन सहित जांच एजेंसियां पता कर पाएंगी?
आईजी ऑफिस सरगुजा के किसी कुमार से अशफाक उल्लाह का क्या है संबंध...?

घटती-घटना | 5
असफाक उल्लाह के अधिवक्ता ने
घटती-घटना के पत्रकार को भेजा वैधानिक नोटिस
पत्रकार न्यायालय जाने के लिए तैयार...
माननीय न्यायालय से करेंगे असफाक मामले की जांच करने की मांग...
3 साल में इनकम 16 लाख कैसे पहुंची...आखिर इनकम का क्या है सोर्स?

घटती-घटना | 5
क्या धंधे में रुकावट बन रहे पत्रकार की हत्या की रच रहे साजिश?

घटती-घटना | कोरिया-सरगुजा-जशपुर-कोरबा-समाचार | अम्बिकापुर,सोमवार 04 मार्च 2024 | 6
कौन है असफाक उल्लाह जिनके ऊपर लोग विश्वास करके
अपना करोड़ों रुपए दांव पर लगा रहे हैं?

घटती-घटना | कोरिया-सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर,गुरूवार 07 मार्च 2024 | 6
क्या असफाक उल्लाह के कारोबार का
पता लगा पाएगी स्वतंत्र जांच एजेंसियां?

किसान से रायकोना के 'शिवा साहू' ने की 26 लाख की ठगी : पुलिस ने शिवा और साथियों पर किया FIR दर्ज, 30 प्रतिशत कमीशन के साथ रकम ढाई गुना करने का दिया था लालच

निवेश निश्चित रूप से डूबेगा इसकी आशंका को लेकर घटती-घटना लगातार खबर का प्रकाशन कर रहा है फिर भी कानून के जिम्मेदार हैं मौन?

असफाक का पैसा दुगना करने वाला व्यवसाय फिलहाल बिना रोक-टोक जारी है वहीं कई बार इस मामले में खबर प्रकाशन के बाद भी जिम्मेदार शासकीय विभाग खासकर कानून के हांथ उस तक या तो पहुंच नहीं रहे या पहुंचना नहीं चाह रहे जबकि असफाक उल्लाह का व्यवसाय भी सारंगढ़-बिलाईगढ़ के शिवा साहू की तरह का है जिसके ऊपर कानून का शिकंजा कसा जा चुका है और वह फरार है और अनुमान है की वह लोगों का करोड़ों रुपए दुगना करने के नाम पर अपनी अय्याशी में उड़ा चुका है और राशि नहीं लौटा पाने के कारण ही वह फरार है। शिवा साहू का मामला तब उजागर हुआ तब कानून के शिकंजे में वह फंसा जब लोगों का पैसा वह लौटा पाने में असमर्थ साबित हुआ वहीं यदि कानून अपना काम पहले करता लोगों का पैसा नहीं डूबता और शिवा साहू फरार भी नहीं हो पाता,शिवा साहू की ही तरह असफाक उल्लाह का मामला है सूरजपुर जिले के जहां शिवा साहू की ही तर्ज पर असफाक उल्लाह लोगों का पैसा दुगना करने का व्यवसाय कर रहे हैं वहीं व्यवसाय में आगे चलकर लोगों का निवेश निश्चित रूप से डूबेगा जो बड़ी राशि होगी इसकी आशंका को लेकर घटती-घटना लगातार खबर का प्रकाशन कर रहा है और फिर भी कानून के जिम्मेदार लोग मौन हैं ऐसे में यदि सूरजपुर जिले में शिवा साहू की तर्ज पर लोगों का पैसा असफाक उल्लाह के कारण डूबा तो यह तय हो जायेगा की उसे कानून का संरक्षण प्राप्त था जिम्मेदार सभी शासकीय विभागों का उसे संरक्षण प्राप्त था। जिस तरह शिवा साहू पर कानून का शिकंजा कसा गया है अब जरूरी है की सूरजपुर जिले के असफाक उल्लाह पर भी शिकंजा कसा जाए और उसके व्यवसाय की हकीकत सामने लाई जाए की आखिर वह किस तरह लोगों का पैसा कम समय में दुगना करता है और लोगों का पैसा उसके पास कितना सुरक्षित है।

असफाक को क्या संरक्षण प्राप्त हो रहा है?

सारंगढ़-बिलाईगढ़ के शिवा साहू पर लगातार कानून का शिकंजा कसता जा रहा है वहीं सूरजपुर जिले के असफाक उल्लाह के ऊपर कानून का कोई शिकंजा नहीं कसा जा रहा है जबकि दोनो के व्यवसाय की प्रकृति एक ही है। दोनो लोगों के पैसे को दुगना कम समय में दुगना करने का दावा करते हैं और लोग इसी कारण उनके पास अपना पैसा जीवन भर की कमाई निवेश करते हैं। असफाक उल्लाह को कहीं न कहीं संरक्षण प्रदान किया जा रहा है उसे व्यवसाय करने की वह भी चिटफंड जैसे व्यवसाय की एक तरह से छूट प्रदान की जा रही है जो इस बात से समझा जा सकता है की लगातार समाचार के प्रकाशन के बाद जिसमे चिटफंड जैसे व्यवसाय की आशंका जाहिर की जा रही है आय से अधिक संपत्ति की बात का भी प्रकाशन किया जा रहा है जिम्मेदार विभाग मौन हैं कार्यवाही करने से बच रहे हैं जिससे स्पष्ट है की मामला संरक्षण का है जो असफाक उल्लाह को प्राप्त हो रहा है।

असफाक ने पैसे निवेश के लिए लगा रखे हैं एजेंट, एजेंट पैसे वापसी की गारंटी भी ले रहे हैं...

असफाक ने लोगों के पास पहुंचने का माध्यम जो पैसा निवेश के लिए पहुंचने का एक उपक्रम है के लिए एजेंट नियुक्त कर रखे हैं,असफाक के पास कई एजेंट हैं जो अलग अलग जगहों के हैं। असफाक के एजेंट पूरे प्रदेश में फैले हुए हैं वहीं यह वह लोग हैं जो बेरोजगार हैं और जिन्हे एक तरह से असफाक अपने चिटफंड व्यवसाय के लिए हथियार के रूप में उपयोग कर रहा है। असफाक के यह एजेंट असफाक उल्लाह के पास लोगों का पैसा निवेश करा रहे हैं और ज्यादातर मामलों में एजेंट अपने परिचितों रिश्तेदारों का ही पैसा निवेश करा रहे हैं और पैसा वापसी की वह गारंटी भी दे रहे हैं लोगों को। असफाक खुद पैसा निवेश के लिए कहने अब लोगों के पास नहीं जा रहा है वह एजेंट के माध्यम से पैसा स्वीकार कर रहा है जिसमे वह सीधा नहीं जुड़ रहा है और उसके एजेंट सामने हो रहे हैं। कुल मिलाकर असफाक के व्यवसाय में एजेंट उसके काफी मददगार साबित हो रहे हैं और लोगों तक वह घर घर पहुंच रहे हैं और पैसा निवेश के लिए उन्हे किसी न किसी तरह मना रहे हैं पैसा वापसी की गारंटी दे रहे हैं। अपने परिचित रिश्तेदार से निवेश के लिए कहने पर एजेंट सफल भी हो रहे हैं और लोग पैसा निवेश कर रहे हैं लालच में जो लालच पैसा दुगना करने का कम समय में असफाक उल्लाह के कहने पर उसके एजेंट लोगों को दे रहे हैं।

दो पहिया वाहन भी कभी न खरीद कर चढ़ पाने वाले चढ़ रहे हैं थार जैसी कार,असफाक की है ऐसी है उनके प्रति उदारता

असफाक की उदारता उनके प्रति काफी देखने को मिल रही है जो उसके पास पैसा निवेश कर रहे हैं या पैसा निवेश करवा रहे हैं लोगों का। असफाक ज्यादा पैसा निवेश करने वाले या करवाने वाले लोगों को महंगी गाडियां और महंगे उपहार प्रदान कर रहे हैं जिसमे थार जैसी महंगी कार भी शामिल है। लोगों का कहना है की जो लोग अपनी कमाई का कभी दो पहिया नही खरीद सके कभी उन्हे असफाक के कारण थार जैसी गाडियां मिल रही हैं जो जांच का विषय है। अब यह कौन लोग हैं जो असफाक से महंगी गाडियां पा चुके हैं महंगे उपहार पा चुके हैं यह जांच का विषय होना चाहिए।

महज 22 साल की उम्र में असफाक की ख्याति कैसे बढ़ी?

लगातार प्रकाशित हो रही खबर से सूरजपुर जिले के एक व्यापारी जो लोगों का पैसा करते हैं दुगना आ रही है उसके कारोबार में गिरावट, क्या उसके बौखलाहट में पत्रकार विरोधियों के साथ मिलकर रची गई कई प्रकार की साजिश, सरगुजा संभाग में पैसा दुगना करने को लेकर एक नाम काफी चर्चा में है फिलहाल इसकी चर्चा पूरे प्रदेश में हैं और बड़े-बड़े व्यापारी इसके पास पैसा निवेश कर रहे हैं और अच्छा खासा कमीशन वह पा रहे हैं, अब कमीशन कहें या फिर ब्याज का कारोबार यह समझ के परे है, असफ़ाक नाम का व्यक्ति इस समय लोगों के पैसे दुगना करने व लोगों को कार, मोटरसाइकिल व महंगे मोबाइल गिफ्ट करने को लेकर सुर्खियों में है, यह बात जनचर्चा का विषय है, असफ़ाक के पास अच्छे-अच्छे व्यापारी सहित कई लोग अपना पैसा निवेश कर रहे हैं और उससे अच्छा खासा रिटर्न लेकर अपने पैसे को दुगना करने की जुगत में है, पर सवाल यह है कि यह कारोबार कैसा है अवैध है या फिर वैध यदि वैध होता तो अभी तक इसकी जानकारी सभी को हो जाती, आखिर महज 22 साल की उम्र में एक युवा लड़का इतना संपत्ति कैसे अर्जित कर रहा है, शॉर्टकट तरीके से पैसे कमाने की चक्कर में कहीं युवा खुद भी तो किसी साजिश का शिकार तो नहीं बन रहा है? और लोगों को भी जोखिम में तो नहीं डाल रहा है? अभी हाल में सूत्रों से पता चला

जीएसटी नंबर हाल में ही जारी हुए फिर भी पहले से होते रहा करोड़ों का ट्रांजेक्शनःसूत्र... फिर भी विभाग मौन क्यों?

असफाक और उनके पिता एक फर्म के संचालक हैं जिसमे उनके पिता का नाम संचालक के रूप में दर्ज है। असफाक और उनके पिता के नाम से संचालित फर्म का नाम केजीएन है और जिसका रजिस्ट्रेशन जीएसटी नम्बर हाल ही में प्राप्त हुआ है। असफाक उल्लाह के पिता का रजिस्ट्रेशन जहां कुछ माह पूर्व का है वहीं उनका खुद का इसी माह का रजिस्ट्रेशन है। ऐसे में सवाल यह उठता है की इसके पहले वह जो लाखों का करोड़ों का ट्रांजेक्शन करते रहे वह कैसे संभव हुआ और उसपर संबंधित जिम्मेदार विभाग की नजर क्यों नही पड़ी। वैसे सूत्रों की माने तो जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्राप्त करने से पूर्व से ही असफाक उल्लाह का व्यवसाय बड़े स्तर पर जारी है और आर्थिक लेनदेन बड़े स्तर पर होता चला आ रहा है ऐसे में वह कैसे यह लेनदेन करते चले आ रहे हैं जिसपर किसी की नजर नहीं पड़ी यह बड़ा सवाल है। सूत्रों का यह भी कहना है की जांच होने पर बहुत बड़े मामले का खुलासा होगा जो अप्रत्याशित होगा।

सिर्फ बिल बेचते हैं व्यापार के नाम पर...

दुकान तो काफी आलीशान व बड़ा बनाया गया है पर इस दुकान में सामान से ज्यादा कुछ बिकता है तो जीएसटी वाला बिल,जीएसटी वाले बिल की कहानी भी कुछ अजीबोगरीब है सामान मत लिजिए और उसके एवज में आपको बिल मिल जाएगा,ताकि आप जहां चाहे वहां बिला लगा सकते हैं यदि इनके जीएसटी बिल की भी जांच की जाए तो देखा जाएगा कि सरगुजा संभाग के बाहर के लोग इनसे जीएसटी बिल खरीदते हैं अब समझ में यह नहीं आता है कि आखिर क्या सरगुजा के बाहर के लोगों को वहां पर हार्डवेयर दुकान नहीं मिलती जो यहां से बिल लेने शिवप्रसादनगर आते है यह भी एक जांच का विषय है इस पर भी यदि संबंधित विभाग जांच करें तो परत दर परत कई राज खुलेंगे।

3 साल में इनकम 16 लाख कैसे पहुंची...आखिर इनकम का क्या है सोर्स?

22 वर्षीय युवा का व्यापार से जुड़े कई सवाल है सवालों के जवाब तलाशने के लिए यदि जांच एजेंसी निकल जाए तो परत दर परत सारी चीज साफ हो जाएगी पर आखिर सवालों के जवाब खोजने प्रशासन भी जहमत नहीं उठा रहा आखिर ना जाने उसे किस घड़ी का इंतजार है? सूत्रों से मिले दस्तावेज के अनुसार असफ़ाक की आय 2020 से लेकर 2022 तक 5 लाख के अंदर थी जो उसका इनकम टैक्स रिटर्न बताता है पर वही 2023 में उसकी आय अचानक बढ़कर 16 लाख पार कर गई,सूत्रों का यह भी कहना है कि टैक्स 2 से 3 लाख जमा भी किया गया पर 16 लाख का रिटर्न तो भर दिया गया पर 16 लाख के रिटर्न का सोर्स क्या है? यह नहीं बताया गया यह भी आयकर विभाग के लिए एक जांच का अहम पहलू है...पर जांच होगी कि नहीं यह तो समय पर पता चलेगा। आखिर एक साल में 16 लाख की इनकम कैसे हुई किस काम से हुई यह बहुत बड़ा पहलू है जो पूरे राज को खोलकर रख देगा।

आयकर व जीएसटी विभाग सहित अन्य जिम्मेदार विभाग असफाक के मामले में मौन क्यों?

खबर लगातार प्रकाशित हो रहे हैं और यह आशंका जाहिर की जा रही है की चिटफंड जैसा कोई व्यापार है यह जो जारी है जहां पैसा दोगुना किए जाने का लालच दिया जा रहा है। वैसे असफाक और उनके पिता के नाम से केजीएन हार्डवेयर नाम की फर्म है जिसमें असफाक के पिता फर्म के संचालक हैं। वैसे केजीएन फर्म का रजिस्ट्रेशन साथ ही उसका जीएसटी नम्बर हाल ही में जारी हुआ है जिसमे असफाक उल्लाह के पिता का जीएसटी हार्डवेयर रजिस्ट्रेशन कुछ माह पूर्व का है वहीं असफाक का जीएसटी रजिस्ट्रेशन इसी माह का है जबकि सूत्रों की माने तो उनका व्यवसाय वर्षों से जारी है और करोड़ों का लेनदेन वह अपने खातों से करते रहे हैं। वैसे पूरे मामले में सवाल यह उठता है की क्या जब बिना जीएसटी रजिस्ट्रेशन के करोड़ों का लेनदेन ट्रांजेक्शन होता रहा तब आयकर विभाग का ध्यान इस ओर क्यों नहीं गया?

क्या असफाक को भाजपा नेताओं का भी मिल रहा संरक्षण?

प्रदेश में भाजपा की सरकार है वहीं असफाक जहां से और जिले से व्यवसाय कर रहे हैं वहां से कैबिनेट मंत्री प्रदेश सरकार में बनाई गई हैं अब इसके बावजूद असफाक के चिटफंड कारोबार और शिकंजा नहीं कसा जाना यह साबित करता है या आशंका उत्पन्न करता है की कहीं न कहीं असफाक उल्लाह मामले में भाजपा नेताओं का उसे संरक्षण प्राप्त है वरना वह इस स्तर पर चिटफंड का कारोबार नहीं कर पाता।

पांडवपारा,पटना,सुरजपुर,अम्बिकापुर,मनेंद्रगढ़,बैकुंठपुर में असफाक उल्लाह के एजेंट हैं सक्रिय

असफाक के एजेंट कई जगह सक्रिय हैं और अब वह अलग-अलग जगह भी सक्रियता बढ़ा रहे हैं क्योंकि जहां असफाक के व्यवसाय की पोल लोग समझ जा रहे हैं या जहां के लोग निवेश कम करते जा रहे हैं उसके बाद एजेंटों को उसके नए निवेश करने वालों की तलाश के लिए अलग अलग-जगह जाना पड़ रहा है जहां वह जा रहे हैं। अभी असफाक उल्लाह के एजेंट सबसे ज्यादा यदि किन्हीं जगहों पर सक्रिय हैं तो वह जगह हैं पाण्डवपारा,पटना,सूरजपुर,बैकुंठपुर,अंबिकापुर,मनेंद्रगढ़,चिरमिरी,इन जगहों पर असफाक उल्लाह के अनगिनत एजेंट सक्रिय हैं जो अपने प्रभाव पहचान के लोगों का पैसा असफाक के पास दुगना करने के नाम पर निवेश करवा रहे हैं। सूत्रों की मानें तो असफाक के यह एजेंट अपना चेक भी बकायदा सेक्युरिटी के लिए लोगों को प्रदान कर रहे हैं वहीं सेक्योरिटी के लिए असफाक उल्लाह का कोई चेक किसी निवेशक को एजेंट प्रदान नहीं कर रहे हैं। एक तरह से देखा जाए तो पैसा डूबने की स्थिति में जो डूबना तय है असफाक उल्लाह पर सीधे कोई आरोप नहीं लगा पाएगा और निवेशक एजेंट तक ही आरोप मढ पाएगा जिससे असफाक बच निकलेगा। कुल मिलाकर असफाक उल्लाह के लिए उसके एजेंट एक तरह से सुरक्षा कवच का भी काम कर रहे हैं एक तरह से उसका गुर्गा बनकर काम कर रहे हैं।

कौन हैं सूरजपुर पुलिस विभाग में पदस्थ पुलिसकर्मी व आईजी कार्यालय में पदस्थ कर्मचारी हैं जो कर रहे हैं असफाक की मदद,प्रदान कर रहे हैं संरक्षण?

सूत्र बताते हैं कि असफाक उल्लाह को सूरजपुर जिले में पदस्थ कुछ पुलिसकर्मियों का संरक्षण मिल रहा है वहीं उसे आईजी कार्यालय में पदस्थ किसी पुलिस कर्मचारी का संरक्षण भी मिल रहा है जैसा वह खुद कहीं बोलता सुना गया है। वैसे यह कौन पुलिस कर्मी हैं जो कानून की रक्षा करने की बजाए असफाक उल्लाह पर कानून का शिकंजा कसने की बजाए उसे बचाने में लगे हुए हैं लोगों के जीवन भर की कमाई जो लोग डुबाने में असफाक उल्लाह के साथ मिलकर काम कर रहे हैं यह बड़ा सवाल है। वैसे सूत्रों का कहना है की असफाक उल्लाह को यही लोग सलाह देते हैं और संरक्षण देते हुए कानून से बचाते हैं जिनका नाम भी जल्द घटती-घटना जरूर प्रकाशित करेगा।

असफाक के मित्र...उसके साथ पढ़ने वाले...उसके रिश्तेदार...सहित उसके गांव के लोग कर रहे उसके लिए एजेंट का काम

सूत्रों की माने तो असफाक के लिए एजेंट का काम उसके साथ पढ़ने वाले लोग,उसके मित्र उसके रिश्तेदार वहीं उसके गांव के लोग कर रहे हैं। असफाक अपने सभी परिचितों को अपना एजेंट बना चुका है और सभी को एक तरह से अपने चिटफंड कारोबार में वह एक तरह से भागीदार बना चुका है जो भागीदारी केवल जोखिम तक ही सीमित है वहीं उसके एवज में उन्हें कुछ आर्थिक लाभ वह प्रदान कर देता है। थोड़े पैसे के लालच में उसके मित्र,उसके सहपाठी,उसके रिश्तेदार उसके गांव के लोग अपने परिचितों को चुना लगाने का एक तरह से काम कर रहे हैं जो जल्द ही उन्हे लगने वाला है जब असफाक का व्यवसाय ठप्प होगा चिटफंड का और जब वह पैसा नहीं लौटा पाएगा। ऐसी स्थिति में यह लोग जो उसके एजेंट बने हैं कैसे लोगों का पैसा लौटाएंगे यह बड़ी बात है। वैसे बताया जा रहा है की उसके एजेंट अपना लाभ देख रहे हैं वह अपना पैसा निवेश नहीं कर रहे हैं बल्कि अपने परिचितों का पैसा निवेश करवा रहे हैं और अपना कमीशन ले रहे हैं और उन्हे मालूम है की आज नही कल सभी का पैसा डूबना तय है क्योंकि पैसा निवेश करते ही उसका बंदरबांट हो जा रहा है और एजेंट को उसका तय हिस्सा असफाक उल्लाह प्रदान कर दे रहा है जो बहुत ज्यादा है।

CMYK

एसईसीएल कोरबा अस्पताल के कर्मचारियों पर लगा गैर इरादतन हत्या का आरोप...

संवाददाता-
कोरबा,11 मई 2024
(घटती-घटना)। जिले में कोरबा एसईसीएल हॉस्पिटल से एक मामला सामने आया है जहां एक व्यक्ति द्वारा उसके मां के इलाज के दौरान डॉक्टर द्वारा बरती गई लापरवाही के चलते वृद्ध महिला की जान चली गई। जिस पर उक्त व्यक्ति द्वारा गैर इरादतन हत्या का रिपोर्ट दर्ज कराया गया है । जिसमे उक्त व्यक्ति ने बताया है के मरीज की नाजुक हालत से वाकिफ होने के बाद भी एसईसीएल अस्पताल के चिकित्सकों के गैर जिम्मेदाराना रवैये के चलते मरीज की गई जान । जबकि पुत्र के द्वारा समय रहते अपोलो रेफर किए गए आग्रह को दरकिनार कर दिया गया साथ ही डॉक्टरों से लेकर स्टाफ नर्स ने उपचार में लापरवाही बरती जिसके कारण अपोलो पहुंचने से पहले ही मरीज ने दम तोड़ दिया । जिसपर व्यथित एवं आक्रोशित पुत्र ने सभी संबंधितों के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का अपराध पंजीबद्ध करने की मांग की है।

पीड़ित अधिवक्ता दुरपा रोड,पुरानी बस्ती कोरबा निवासी चुन्नी लाल राजवाड़े पिता स्व. मदनमोहन राजवाड़े ने मानिकपुर चौकी प्रभारी को दिए शिकायत पत्र में बताया है कि माता श्रीमती गोदावरी बाई 81 वर्ष, को सुबह 9.30 से 10 बजे के लगभग मुख्य अस्पताल मुड़ापार में सीने में कफ जमने के कारण सांस लेने में कठिनाई होने से भर्ती किया गया था। अस्पताल में सीनियर डॉ. अचिंतय कुमार के द्वारा चिकित्सा प्रारंभ किया गया, तब तत्काल अपोलो अस्पताल रिफर करने का आग्रह पुत्र के द्वारा किया गया परंतु डॉक्टर के द्वारा रेफर करने से इंकार कर यहीं चिकित्सा उपलब्ध कराने की बात कही गई,जबकि डॉक्टर को पूर्व में भी मरीज को अपोलो अस्पताल बिलासपुर रिफर किये जाने की जानकारी थी। कहा गया कि मैं आपकी माता जी को ठीक करके दौड़ाते हुए वापस घर भेजूंगा। डॉ. अचिंत्य कुमार द्वारा सुबह 10.30 बजे सीने का एक्स-रे कर बताया गया कि फेफड़े में पानी भर गया है। प्रारंभिक उपचार से लाभ नहीं दिखने पर पुनः 12.30 बजे अपोलो रिफर करने का निवेदन किया गया, जिसे अनसुना कर दिया गया। दोपहर लगभग 2 बजे डॉ. अपूर्व शर्मा ने भी रिफर करने से मना कर दिया तथा उपस्थित नर्स को इंजेक्शन देने की बात कही। जिसपर नर्स के द्वारा भी लापरवाही करते हुए दोपहर 3 बजे तक इंजेक्शन नहीं लगाया गया और वह किसी का बर्थडे मनाने गई थी। दोपहर लगभग 3.30 बजे माता का स्वास्थ अत्यधिक खराब होने से डॉ. अंचित्य व डॉ. अपूर्व द्वारा सीएमओ से बातचीत कर शाम 4 बजे रेफरल दस्तावेज तैयार कर अपोलो रिफर किया गया।

शिकायत में कहा गया है कि आनन-फानन में अस्पताल के एम्बुलेंस कमांक-सी.जी. 04 एन.के. 9047 में साथ में नर्स भेजने के आग्रह को अनसुना कर आया कुमुदिनी के साथ मरीज को अपोलो भेज दिया गया। एम्बुलेंस के सर्वमंगला मंदिर पहुँचने तक मां की सांसें रूकने लगी तब ड्राईवर संतोष महानदीया और आया कुमुदिनी ने बताया कि ऑक्सीजन सिलिन्डर खत्म हो गया है, वापस मुड़ापार जाना होगा। चालक ने बताया कि अस्पताल प्रबंधक के द्वारा एम्बुलेंस में एक्सट्रा सिलेण्डर रखवाया नहीं गया है। शाम 5 बजे ऑक्सीजन सिलेण्डर बदलकर अपोलो रवाना हुए। करीबन 7 बजे मोपका के पास सांसें उखडने् लगी। अपोलो में प्रारंभिक जाँच पश्चात् डॉक्टर ने बताया कि, मरीज अब नहीं रही, आप लोग लेट कर दिये ।पुत्र चुन्नीलाल ने कहा है कि उपरोक्त व्यक्तियों के द्वारा चिकित्सा उत्तरदायित्व एवं कर्तव्यों की घोर अवहेलना एवं लापरवाही करते हुए तत्कालिक समय में उचित चिकित्सा के अभाव में यह जानते हुए भी कि, भर्ती मरीज का पूर्व में अपोलो में ईलाज चला है, मरीज गंभीर स्थिति में है, फिर भी घोर लापरवाही करते हुए उचित चिकित्सा के अभाव में उचित समय पर रिफर नहीं किये जाने से माता की मृत्यु हो गई। इनका कृत्य गैर इरादतन अपराध की श्रेणी में आता है। स्टार्फ नर्स भारती गार्डिया व रश्मि दवाई को सिरिंज में भरकर टेबल पर रखकर अस्पताल में ही किसी का जन्म दिन मनाने में व्यस्त थी। इनका कृत्य आपराधिक मानव वध की श्रेणी का गंभीर अपराध है इसलिए इन सभी पर अपराध दर्ज किया जाए।

सूरजपुर जिले के विद्यार्थियों ने जिले का नाम किया रोशन

हायर सेकेंडरी परिणाम में कोटेया में अव्वल रही संजना कश्यप

» 80.06 प्रतिशत के साथ अपने विद्यालय में रही प्रथम

संवाददाता-
सूरजपुर/प्रेमनगर 11 मई 2024
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा 10 वीं एवं बारहवीं का परीक्षा 2024 के परिणाम गुरुवार को जारी किया गया जिसमें प्रेमनगर विकास खंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया के होनहार छात्रा संजना कश्यप ने उत्कृष्ट परिणाम लाकर अपने विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल की है।

बता दें कि संजना कश्यप शिक्षक पिता रविकांत कश्यप व माता मंजू कश्यप की सुपुत्री हैं। संजना कश्यप बचपन से ही होनहार के साथ माता पिता व गुरु के मार्गदर्शन पर चलती है। उनके द्वारा कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी बल्कि उसका सामना की। उनके निरंतर मेहनत व लगन है जिसके बलबूते आज सफलता हासिल की। संजना माता पिता व गुरु के बताए मार्ग पर चलकर पढ़ाई में अपना पूरा ध्यान लगाकर कक्षा बारहवीं में 80.06 प्रतिशत लाकर अपने विद्यालय के साथ माता पिता का नाम रोशन की है। संजना कश्यप ने इस सफलता का श्रेय अपने विद्यालय के प्राचार्य, सभी शिक्षक, अपने साथीगण के साथ माता पिता को दिया। उनकी इस सफलता से उनके माता पिता,परिवार सहित विद्यालय परिवार खुशी जाहिर करते हुए उज्वल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दिया है।

12 वी कॉमर्स छात्र अमन साहू ने सभी 5 विषय में डिस्टेंस के साथ जिले में तृतीय स्थान लाकर शानदार प्रदर्शन किया

हाल ही में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हायर सेकेण्डरी परीक्षा का परिणाम जारी किया गया जिसमे सूरजपुर जिला के सरस्वती शिशु मंदिर में कॉमर्स छात्र अमन साहू ने जिले में 463 अंक 92.6 प्रतिशत लाकर जिले में तृतीय स्थान वह विकासखंड रामानुजनगर में प्रथम स्थान प्राप्त किया जिससे सूरजपुर कलेक्टर श्री रोहित व्यास जी द्वारा स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मानित करते हुए उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दिए। साथ ही परिवार जनों से बात करते हुए उन्होंने कहा यह स्कूल, परिवार एवं समाज के लिए गौरव का क्षण है।

परिचय

अमन साहू रामानुजनगर जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवनगर निवासी पिता आनंद साहू और जानकी साहू का पुत्र है ।

अमन साहू आगे सीए चार्टर्ड अकाउंटेंट बनना चाहता है।

अमन अपने छात्र जीवन से ही मेधावी छात्र रहे हैं।

कक्षा दसवीं के छात्रा कुमारी प्रीति ने 85.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता का नाम रौशन किया...

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परशुरामपुर से कक्षा दसवीं के छात्रा कुमारी प्रिति पिता सपुरन दास के पुत्री परशुरामपुर स्कुल से सबसे अधिक अंक 85.8प्रतिशत प्राप्त कर परशुरामपुर एवं अपने माता-पिता का एवं अपने चाचा शिवपाल दास जी का नाम रौशन किये,, और अधिक अंक प्राप्त करने पर खुशी होकर सरपंच लाल केश्वर सिंह सरुता एवं जनपद सदस्य परमेश्वर सिंह ओरकेरा जी के द्वारा प्रिति का शिक्षा को उत्साहित करने के लिए गुलदस्ता भेंट एवं लड्डू खिलाकर बधाई दिया गया और बधाई के अवसर पर सपुरन दास, शिवपाल दास,कवल सायं पंच, एवं शेख मोहम्मद उपस्थित थे।

स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को कई महीनों से मानदेय नहीं मिला

संवाददाता-
सूरजपुर,11 मई 2024
(घटती-घटना)।
सूरजपुर ब्लॉक के अंतर्गत समस्त आरएचओ पुरूष/महिला लगभग कई महीनो से सिकल सेल और आयुष्मान कार्ड बनाने का काम कर रहे हैं लेकिन उनको आज दिनांक तक इसका मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है जिससे परेशान होकर सभी कर्मचारियों ने लिखित में मानदेय दिलाने की मांग मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के साथ-साथ विकासखंड चिकित्सा अधिकारी से की है विगत कई महीनो से स्वास्थ्य कर्मचारी सिकल सेल जांच और आयुष्मान कार्ड बनाने का काम लगातार कर रहे हैं लेकिन इसका इंसेंटिव जो आयुष्मान कार्ड है वह बनाने का मानदेय आज तक नहीं मिला है ना ही सिकल सेल जांच एंट्री करने की जो मानदेय है वह आज दिनांक तक नहीं मिला है मानदेय ना मिलने के पीछे क्या वजह है इसका अभी तक पता नहीं चल पाया है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से सभी कर्मचारियों ने मानदेय दिलाने की मांग की है ज्ञापन देने वालों में कृषि राज कोरी रामप्रकाश सिंह सरिता प्रसाद सुनील पाटकर आशीष शुक्ला चंदा रवि सुनीता राजवाड़े गीता सोनवानी ज्योति खाखा हेमलता रजवाडे दीप्ति तिर्की बिश्रामपुर सेक्टर सूरजपुर जिला के कर्मचारी उपस्थित थे।

निकिता वर्मा ने हाई स्कूल परीक्षा में बढ़ाया प्रतापपुर का मान

» 96.3 प्रतिशत के साथ सूरजपुर जिले में पहला स्थान हासिल किया...

संवाददाता-
प्रतापपुर 11 मई 2024(घटती-घटना) ।
छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा 10 वीं एवं 12वीं के 2024 का परीक्षा परिणाम गुरुवार को जारी किया गया जिसमें प्रतापपुर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (टी) की कक्षा 10 वीं की होनहार छात्रा निकिता वर्मा ने सूरजपुर जिले में पहला स्थान हासिल किया है।

इस उपलब्धि के लिए कलेक्टर सूरजपुर रोहित व्यास ने छात्रा को अपने हांथो से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उनके पिता ने ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना अधिकारी सहित शिक्षा विभाग के कई अधिकारी उपस्थित थे।

बता दें कि निकिता वर्मा शिक्षक पिता सुनील कुमार गुप्ता और नीतू वर्मा की सुपुत्री हैं। निकिता वर्मा बचपन से ही होनहार छात्रा रही है। वह हमेशा अपने माता पिता एवं गुरु के मार्गदर्शन पर चलती है। अपने पढ़ाई और जीवन के हर कठिन परिस्थिति में भी उसमें हौसले और जुनून का परिचय दिया है। उसने निरंतर मेहनत और लगन के बलबूते ही आज शानदार सफलता प्राप्त की है।

निकिता ने यह साबित किया है कि अगर आदर्श और मेहनती शिक्षक, विद्यालय का सकारात्मक वातावरण और छात्र की लगन हो तो सरकारी स्कूल के छात्र भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

सफलता से हर्षित विद्यालय के प्राचार्य भरत नाग ने निकिता वर्मा को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

निकिता ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने विद्यालय के प्राचार्य,सभी शिक्षक, अपने साथीगण और माता पिता को दिया है। इस सफलता से उनके माता पिता, विद्यालय परिवार ने खुशी जाहिर करते हुए आगे भी सफल जीवन की कामना की है।

बालको से गुजरात के लिए रवाना हुआ 1.80 करोड़ का एल्युमिनियम रास्ते से ट्रक समेत गायब

संवाददाता-
कोरबा, 11 मई 2024
(घटती-घटना)। बालको से गुजरात के लिए निकला अल्युमिनियम सिल्ली अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचा।बताया गया के यह एल्यूमिनियम सिल्ली दो ट्रकों में जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ 80 लाख रुपए रास्ते से हुआ गायब के मामले में रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। रिपोर्टकर्ता बनी सिंह ईस्ट इंडिया ट्रांसपोर्ट एजेन्सी रायपुर में मैनेजर के पद पर काम करता है। रिपोर्ट

दर्ज कराया है कि दिनांक 21.04.2024 को ट्रक नंबर GJ 12 BX 9094 के ड्रायवर जीत पटेल के द्वारा 29.280 MT एल्युमिनियम ट्रक में लोड कर जिसका कीमत 8991742/- रूपये एवं दिनांक 22.04.2024 को ट्रक GJ 17 XX 0542 के ड्रायवर अरविंद के द्वारा ट्रक में 29.334 MT एल्युमिनियम जिसका कीमत 9008325/- रूपये को बालको प्लांट से एल्युमिनियम लोड कर ईस्टर लाईट पावर ट्रांसमिसन लिमिटेड सिलवासा गुजरात में एल्युमिनियम को खाली करने के लिए निकले है, जो आज तक वहां नहीं पहुंचे हैं। कम्पनी के लोगों को ऐसा पता चला कि उक्त दोनों ट्रकों के ड्रायवर जीत पटेल एवं अरविंद के द्वारा अपराधिक विश्वासघात करते हुए ट्रकों में लोड एल्युमिनियम को बालको प्लांट से ले जाकर सिलवासा डिलवरी करना था वहां न ले जाकर कंपनी के साथ विश्वासघात करते हुए अन्यत्र स्थान पर ले जाकर सदोष लाभ अर्जीत करने बिक्री कर दिया गया है। प्रार्थी के आवेदन पर बालकोनगर थाना में धारा 406 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उक्त मामले को विवेचना में लिया गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान परशुराम जी की जयंती

संवाददाता-
प्रतापपुर 11 मई 2024
(घटती-घटना) ।अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रतापपुर में भगवान परशुराम जी की जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर विप्र समुदाय ने भगवान परशुराम जी की पूजा, अर्चना,आरती एवं चालीसा पाठ किया । सभी विप्र जनों ने मिलकर हवन करते हुए भगवान से क्षेत्र के खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ो ब्रह्म समुदाय के श्रद्धालुओं ने अपनी सहभागिता दी। कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्म जनों को संबोधित करते हुए पंडित अनुजेश्वर पांडेय ने कहा, शास्त्र एवं शास्त्र के ज्ञाता भगवान परशुराम ने अपने पराक्रम और तप से समाज में समानता न्याय एवं शांति स्थापित किया था, हमें इस जयंती पर्व को मानते हुए उनके विचारों एवं संदेशों से प्रेरणा लेकर अपने में सुधार लाते हुए समाज को मजबूत बनाना है। ब्राह्मण समाज के उपाध्यक्ष श्री अक्षय तिवारी ने कहा भगवान विष्णु ने मानव मात्र के कल्याण के लिए पृथ्वी पर परशुराम के रूप में अवतार लिया था, सुख सौभाग्य की कामना को लेकर हम सब भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव पूरे भक्ति भाव के साथ मना रहे हैं । पंडित कृपाल नाथ तिवारी ने कहां भगवान परशुराम जी की पूजा करने से जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं, सभी मनोकामना पूरी होती है, पृथ्वी पर भगवान परशुराम का अवतार पाप और अधर्म को दूर करने के लिए हुआ था, हमें उनके द्वारा दिखाएं सभी मार्गों का अनुसरण करना चाहिए। उपस्थित सभी जनों ने भगवान परशुराम जी की मंदिर निर्माण जल्द से जल्द आरंभ करने का संकल्प पारित किया। इस अवसर पर विधिवत पूजा अर्चना एवं मंच संचालन पं. कृपाल नाथ तिवारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विप्र समुदाय से वीरेंद्र पांडेय, भोला शुक्ला,प्रवीण दुबे,राकेश मोहन मिश्रा, मोहन पांडेय,संत विलास मिश्रा, कृष्ण मुरारी शुक्ला, श्याम नारायण दुबे, अवधेश पांडेय, प्रेम सिंधु मिश्रा, अमित पांडेय, चंदन मिश्रा,अशोक मिश्रा,मनोज तिवारी, अशोक तिवारी,संजय चतुर्वेदी, गिरिजाशंकर पांडेय,कौशल दुबे,राकेश पांडेय,दीपेश तिवारी, सच्चिदानंद तिवारी, राहुल तिवारी,शशि नरेंद्र द्विवेदी,श्री राम शुक्ला, सहित काफी संख्या में विप्र जन उपस्थित थे

पात्र/अपात्र अपना दावा 14 मई तक प्रस्तुत कर सकते हैं

संवाददाता-
सूरजपुर 11 मई 2024
(घटती-घटना)।
स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय नवापारा सूरजपुर प्राचार्य मनोज झा ने बताया कि सत्र 2024-25 में प्रवेश हेतु दिनांक 10. तक आवेदन आमंत्रित किये गये थे। तद्रुपरान्त पात्र/अपात्र सूची विद्यालय के सूचना पटल पर दिनांक-11. को चस्पा कर दी गई है छात्र/ अभिभावक दिनांक- 14. समय प्रातः 11:30 बजे तक अपना दावा आपत्ति कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किया जावेगा।कक्षा 1ली, 3री, 5वीं एवं 8वीं हेतु रिक्त सीट से अधिक आवेदन प्राप्त होने के कारण छात्रों का प्रवेश चयन पारदर्शिता से लॉटरी माध्यम से दिनांक 15.05.2024 को प्रातः 10:00 बजे से विद्यालय परिसर में आयोजित की जावेगी। जिसमें छात्र / अभिभावक भी उपस्थित हो सकते हैं

संक्षिप्त खेल समाचार

नीरज चोपड़ा डायमंड लीग की अगली प्रतियोगिता जीतने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली,11 मई 2024। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा चरण में दूसरे स्थान पर रहने के बाद डायमंड लीग की अगली प्रतियोगिता जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में अपने अंतिम प्रयास में 88.36 मीटर भाला फेंक कर दूसरा स्थान हासिल किया था। वह इस चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाले जैकब वाडलेज्च से केवल 2 सेंटीमीटर पीछे रह गए थे।सत्र की अपनी पहली प्रतियोगिता में भाग ले रहे चोपड़ा ने अपने अंतिम प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए। दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स ने 86.62 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, मेरे लिए इस साल की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता पेरिस ओलंपिक है लेकिन डायमंड लीग भी काफी महत्वपूर्ण है। यह मेरी इस सत्र की पहली प्रतियोगिता है तथा मैं केवल 2 सेंटीमीटर के अंतर के कारण दूसरे स्थान पर रहा लेकिन अगली बार में इससे बेहतर प्रदर्शन करके जीत दर्ज करने की कोशिश करूंगा।''डायमंड लीग का अगला चरण, जिसमें भाला फेंक स्पर्धा शामिल है, सात जुलाई को पेरिस में होगा।

निशा दहिया महिला कुश्ती में देश के लिए पांचवां ओलंपिक कोटा पक्का करने में सफल रही

इस्तांबुल,11 मई 2024। निशा दहिया यहां विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में 68 किग्रा सेमीफाइनल में रोमानिया की एलेक्सांद्रा अनघेल को हराने के बाद पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पांचवीं भारतीय महिला पहलवान बन गईं। यह पहली बार होगा जब हर चार साल में होने वाली प्रतियोगिता में भारत की पांच महिला पहलवान शामिल होंगी। निशा ने इससे पहले बेलारूस की युवा अलिना शाउचुक को 3-0 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। फिर इस 25 साल की पहलवान ने चेक गणराज्य की कई यूरोपीय चैम्पियनशिप पदक विजेता एडेला हानजलिकोवा को 7-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। विश्व अंडर-23 कांस्य पदक विजेता और एशियाई चैम्पियनशिप की रजत पदक विजेता निशा ने 58वीं रैंकिंग की पहलवान के खिलाफ पहले पीरियड में 8-0 की बड़ी बढ़त बना ली थी। अगर वह इसमें जीत जाती हैं तो वह पेरिस कोटा हासिल करने वाली देश की पांचवीं महिला पहलवान बन जायेंगी। मानसी (62 किग्रा) प्री क्वार्टरफाइनल में बेलारूस की प्रतिद्वंद्वी वेरानिका इवानोवा से हार गयीं। हालांकि वह रेपेशाज से कांस्य पदक के दौर में जगह बना सकती हैं और ओलंपिक कोटा जीतने की उम्मीद कर सकती हैं लेकिन इसके लिए वेरानिका को फाइनल में पहुंचना होगा। भारत की चार महिला पहलवानों ने पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है जिसमें अंतिम पंघाल (53 किग्रा), विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) शामिल हैं।

सीएसके और आरआर के बीच मैच आज

» **रॉयल्स पर जीत दर्ज करके की उम्मीदों को मजबूत करने उतरेगा चेन्नई**

चेन्नई,11 मई 2024। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आज यहां होने वाले मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सुपर किंग्स की टीम अभी 12 मैच में 12 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुक्रवार को हार के कारण उस पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है और उसे अब बाकी बचे दोनों मैच में जीत दर्ज करने की जरूरत है। दूसरी तरफ रॉयल्स के 16 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है लेकिन पिछले दो मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के कारण उसका मनोबल गिरा है। रॉयल्स की टीम पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा नहीं मंडरा रहा है लेकिन संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम नॉकआउट चरण से पहले जीत की राह पर लौट के लिए बेताब होगी। सुपर किंग्स को गुजरात टाइटंस के खिलाफ सबसे बड़ी निराशा शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों अजिंक्य रहाणे, रचिन रविंद्र और कप्तान रुतुराज गायकवाड से मिली। यह तीनों बल्लेबाज रॉयल्स के खिलाफ उसकी भरपाई करना चाहेंगे। डेरिल मिचेल और मोईन अली का अच्छा प्रदर्शन सुपर किंग्स के लिए इस मैच में सकारात्मक पहलू रहा। टीम को शिवम दुबे से भी बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। भारत की विश्व कप टीम में चुना गया यह ऑलराउंडर गुजरात के खिलाफ 13 गेंद पर 21 रन ही बना पाया था।

जहां तक चेन्नई सुपर किंग्स की गेंदबाजी का सवाल है तो तुषार देशपांडे ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जबकि शार्दुल ठाकुर ने किफायती गेंदबाजी की लेकिन उसके अन्य गेंदबाजों को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। यह मैच दिन में होगा और सुपर किंग्स को अपने घरेलू मैदान पर इसका फायदा मिलेगा। जहां तक रॉयल्स का सवाल है की टीम जीत की राह पर लौट के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उसकी चिंता सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। यह सलामी बल्लेबाज विश्व कप से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने का प्रयास करेगा। कप्तान संजू सैमसन लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन उन्हें रियान पराग, शुभम दुबे और रोवमैन पावेल से अच्छे सहयोग की जरूरत है। अनुभाई स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में तीन विकेट हासिल किए थे और वह अपने इसी प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेंगे। उनके साथ युजवेंद्र चहल की मौजूदगी से राजस्थान का आक्रमण मजबूत बन जाता है। तेज गेंदबाजी विभाग में आवेश खान हालांकि पिछले मैच में प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए थे जिसकी भरपाई वह इस मैच में करना चाहेंगे।

टीम इस प्रकार है...

चेन्नई सुपर किंग्सः-रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), एमएस धोनी (विकेटकीपर),अरवेल्ली अवनीश, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोइन अली, शिवम दुबे,आरएस हंगरगेकर, रवींद्र जड़ेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, निशांत सिंधु , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शार्दुल ठाकुर, महेश थीक्षाना, समीर रिज़वी।

राजस्थान रॉयल्सः-संजू सैमसन (कप्तान),जोस बटलर,शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, डोनोवन फरेरा, कुणाल राठौड़, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप सेन, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, अवेश खान, रोवमैन पॉवेल, शुभम दुबे, टॉम कोहलर-कैडमोर, आबिद मुश्ताक, नंद्रे बर्गर, तनुश कोटियन, केशव महाराज। मैच भारतीय समय अनुसार दोपहर बाद 3:30 पर शुरू होगा।

ओलंपिक 2036 के लिए हम तैयार हैं अन्य दावेदारों का आसानी से कर सकते हैं मुकाबला

नई दिल्ली,11 मई 2024। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि, देश अन्य दावेदारों का मुकाबला करने में सक्षम है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) के नए अध्यक्ष का चुनाव अगले साल होना है। ऐसे में 2036 के ओलंपिक खेलों के मेजबान का फैसला 2026 या 2027 से पहले होने की संभावना नहीं है। भारत की मेजबानी में दिलचस्पी को आईओसी के वर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक समर्थन भी हासिल है जिनका मानना है कि भारत का दावा काफी मजबूत है। ठाकुर से जब पूछा गया कि क्या भारत के पास पोलैंड, इंडोनेशिया, मैक्सिको, कतर और सऊदी अरब जैसे कई देशों की दावेदारी का मुकाबला करने की क्षमता है तो उन्होंने पीटीआई को दिए गए साक्षात्कार ने कहा,''हम पूरी तरह से तैयार हैं। हम आसानी से ऐसा कर सकते हैं।''

ठाकुर ने इन खेलों पर होने वाले खर्च के संबंध में कहा,''पिछले साल हमारा पूंजीगत व्यय 10 लाख करोड़ रुपये था और उससे एक साल पहले यह 7.5 लाख करोड़ रुपये था। इस साल यह 11,11,111 करोड़ रुपये है। खेल का बुनियादी ढांचा मुश्किल से 5,000 करोड़ रुपये है। अगर लागत 20,000 करोड रुपए तक भी जाती है तब भी ऐसा किया जा सकता है।'' भारत सरकार ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है तथा वह 2030 में होने वाले युवा ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करके अपना दावा और मजबूत करना चाहती है। भारत को अगर मेजबानी मिलती है तो इन दोनों खेलों का आयोजन अहमदाबाद में किया जा सकता है। रियो में 2016 में खेले गए ओलंपिक खेल का खर्चा 11.1 बिलियन डॉलर जबकि तोक्यो खेलों का खर्चा 12.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। ठाकुर से पूछा गया कि इस राशि का उपयोग कल्याणकारी योजनाओं पर हो सकता है तो उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों की मेजबानी से गरीबों को भी फायदा होगा। उन्होंने कहा,'' मैं आपको उदाहरण दूंगा। जब आईपीएल शुरू हुआ तो उसने इन एक दो महीनों में कई लोगों को रोजगार दिया और इनकी संख्या हजारों में नहीं बल्कि लाखों में है। यह हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। भारत जैसे देश को ओलंपिक खेलों की मेजबानी से लाभ होगा।''ठाकुर ने कहा,''मोदी सरकार पहले ही गरीबों के लिए काफी कुछ कर रही है। उसने पहले ही 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठा लिया है। उन्हें समृद्ध बनाने के लिए और अधिक सुविधाएं दी जाएंगी।'' खेल मंत्री को उम्मीद है कि इस साल जुलाई अगस्त में पेरिस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

मजबूत तकनीकी अभ्यास से भारत को ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलेंगे

नई दिल्ली,11 मई 2024। मशहूर तीरंदाजी कोच और मेंटोर किम ह्युंग ताक का मानना है कि हाल ही में विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने वाले भारतीय तीरंदाजों को मजबूत तकनीकी अभ्यास का फायदा ओलंपिक में मिलेगा जहां वे स्वर्ण पदक जीत सकते हैं। अभी तक तीरंदाजी में भारत के लिये एकमात्र ओलंपिक कोटा धीरज बोम्मादेवरा ने जीता है। किम ने सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कोचों के सेमिनार के संचालन के बाद कहा ,''भारतीय रिकर्व टीम ने काफी दमदार तकनीकी अभ्यास किया है। इससे उन्हें ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा ,'' अभ्यास और तैयारियों में निरंतरता बनाये रखने से पेरिस में पदक जीतना संभव है।'' भारतीय रिकर्व तीरंदाज तुर्की के अंताल्या में 14 से 17 जून तक होने वाले आखिरी क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में टीम कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे।

ईशा देओल ने अभय देओल के साथ शेयर की खूबसूरत तस्वीर

ईशा देयोल ने अपने सोशल मीडिया पर अपने साथ देयोल सदस्य की तस्वीर डाली,और घर में डी कोई और नहीं बल्कि अभय देयोल हैं। ईशा देओल ने अपने भाई अभय के साथ एक अनदेखी मनमोहक तस्वीर साझा की और उल्लेख किया कि उन्होंने एक साथ सप्ताहांत कैसे बिताया। सनी देओल और बॉबी देओल की तुलना में ईशा हमेशा अभय और अपने चाचा अजीत देओल के साथ एक अच्छा रिश्ता साझा करने के बारे में मुखर रही हैं। ईशा और अभय लगभग एक ही उम्र के हैं और इसलिए वे एक-दूसरे के साथ सहज हैं। ईशा देओल के अपने सौतेले भाइयों सनी देओल और बॉबी देओल के साथ रिश्ते के बारे में बात करें तो वे मधुर रहे हैं लेकिन उनके बीच हमेशा एक पुल रहा है। लेकिन पिछले साल उन्होंने पुल भी तोड़ दिया और सनी ने खुशी से अपनी सौतेली बहनों ईशा और अहाना देओल को गदर 2 की सफलता की पार्टी में आमंत्रित किया,और यह पहली बार था कि उन्हें सार्वजनिक रूप से एक साथ क्लिक किया गया था।

ईशा ने अक्सर सनी और बॉबी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध होने का दावा किया था, वास्तव में, हाल ही में हेमा मालिनी ने भी खुलासा किया था कि सनी और बॉबी हमेशा रक्षा बंधन के अवसर पर अपनी बहनों से मिलने जाते थे।

अभी कुछ दिन पहले,हेमा और धर्मेंद्र ने अपनी शादी के 44 साल पूरे होने का जश्न मनाया, हेमा मालिनी और ईशा देओल ने जश्न की तस्वीरें साझा कीं,जहां प्रशंसकों ने देओल बंधुओं को इसका हिस्सा बनने से चूक गए। बीएल ने आपको विशेष रूप से सूचित किया कि यह पूरी तरह से पेशेवर था और कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था। प्रशंसक वास्तव में एक बार फिर से देओल सदस्यों के पुनर्मिलन का इंतजार कर रहे हैं।

एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली के बदले सुर,सलमान खान की तरफ से बिश्नोई समाज से मांगी माफी...एक्टर की जान बख्श देने की गुजारिश की...

सोमी अली अपने बॉलीवुड करियर को अलविदा कहने के बाद से वर्तमान में मानव तस्करी और घरेलू हिंसा के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही हैं। वह पहले सलमान खान के साथ रिश्ते में थीं और उन्होंने 90 के दशक के दौरान कुछ लोकप्रिय हिंदी फिल्मों में अभिनय किया है। विशेष साक्षात्कार में,सोमी ने सलमान की इमारत के बाहर हुई गोलीबारी की घटना के बाद उनकी सुरक्षा के लिए अपनी चिंता व्यक्त की। सोमी ने अपने बेहद प्रचारित ब्रेकअप के बाद बॉलीवुड छोड़ने को याद किया और हाल ही में सलमान के घर के बाहर हुई शूटिंग की घटना का भी जिक्र किया। वह कहती हैं, ब्रेक-अप के बाद मैं 24 साल की उम्र में अमेरिका वापस आ गई, यह किसी से छिपा नहीं है। पूरी दुनिया जानती है और मैं इसे बार-बार दोहराना नहीं चाहती। खासकर सलमान के साथ अभी जो हो रहा है, मैं अपने दुश्मन के लिए यह कामना नहीं करूंगी कि वह इस दौर से गुजरे। सब कुछ कहा और किया गया, कोई भी उस स्थिति का हकदार नहीं है जिससे वह गुजर रहे हैं। मेरी प्रार्थनाएँ उसके साथ हैं। चाहे कुछ भी हो गया हो, जो बीत गया उसे बीत जाने दो। मैं कभी नहीं चाहूंगी कि ऐसा कुछ किसी के साथ हो, चाहे वह सलमान हो, शाहरुख हो या मेरा पड़ोसी हो। वह आगे कहती हैं, हर इंसान कम से कम अमेरिका में उचित प्रक्रिया, कानून प्रवर्तन, साक्ष्य और न्यायिक प्रक्रिया से गुजरने का हकदार है। मैं कभी नहीं चाहूंगी कि

सलमान या उनके परिवार को कोई दर्द सहना पड़े। जब मुझे और मेरी मां को इस घटना के बारे में पता चला तो हम हैरान रह गए। हम प्रार्थना करते हैं कि उन्हें कोई नुकसान न हो। उन्हें और उनके परिवार को हमेशा हमारा आशीर्वाद प्राप्त है। हर कोई छवि के प्रति जागरूक है, चाहे वह आप हों, मैं हू, सलमान हों, शाहरुख हों या कोई और। इसलिए, उन्होंने वही किया जो उन्हें अपनी ओर से सही लगा। लेकिन फिलहाल मेरा फोकस इस बात पर है कि वह किस दौर से गुजर रहे हैं। कोई भी उस चीज़ का हकदार नहीं है जो वह अभी अनुभव कर रहें है। सोमी को यह भी लगता है कि किसी को भी कानून तोड़ने का अधिकार नहीं है और उनका मानना है, आज भी, मैं गलतियाँ करती हूँ। आप भी गलतियाँ करते हैं। हम जब तक जीवित हैं गलतियाँ करते रहेंगे,यह मानव स्वभाव है। यह हमारे भीतर सहज रूप से निर्मित है और कोई भी पूर्ण नहीं है। लेकिन अगर आप किसी को मारने का प्रयास कर रहे हैं या उस पर गोलियां चला रहे हैं तो आप सीमा पार कर रहे हैं। मैं एक खेल के रूप में शिकार का समर्थन नहीं करता लेकिन यह घटना कई साल पहले हुई थी। 1998 में सलमान बहुत छोटे थे। मैं बिश्नोई जनजाति के प्रमुख से अनुरोध करना चाहता हूं कि वे इसे भूल जाएं और आगे बढ़ें। अगर उन्होंने कोई गलती की है तो मैं उनकी (सलमान) तरफ से माफी मांगती हूं और कृपया उन्हें माफ कर दें। सोमी का यह भी कहना है, किसी की जान लेना स्वीकार्य नहीं है, चाहे वह सलमान हो या एक औसत आम आदमी। अगर आपको न्याय चाहिए तो आपको अदालत का रुख करना चाहिए। मुझे भारत की न्याय व्यवस्था और वकीलों पर अमेरिका की तरह ही पूरा भरोसा है। मैं बिश्नोई समुदाय से अपील करना चाहती हूं कि सलमान खान को नुकसान पहुंचाने से काला हिरण वापस नहीं आएगा। मेरे साथ जो कुछ भी हुआ उसे बदला नहीं जा सकता; जो बीत गई सो बात गई। मैंने अपने आप से शांति बना ली है। मेरा जीवन अब पूरी तरह से नो मोर टीयर्स को समर्पित है। सोमी ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत 1993 की एक्शन-ड्रामा फिल्म कृष्ण अवतार से की, जिसमें उन्होंने मिथुन चक्रवर्ती के साथ अभिनय किया।

पूजा बेदी के घर की नाबालिग नौकरानी के साथ थे आदित्य पंचोली के संबंध,एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में किए चौंकाने वाले खुलासे

पूजा बेदी अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने के लिए जानी जाती हैं, एक समय था जब उन्हें कॉन्ट्रोवर्शियल क्वीन कहा जाता था। पूजा जिन्होंने अपने जीवन में कई पुरुषों के साथ डेटिंग करने की बात खुले तौर पर स्वीकार की है, वह एक समय बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली के साथ रिश्ते में थीं। हां, लेकिन चीजें तब खराब हो गईं जब एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाया। अपने एक इंटरव्यू में पूजा बेदी ने आदित्य पंचोली पर अपनी 15 साल की नौकरानी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था। पूजा ने खुलासा किया कि वह यह जानकर हैरान थी कि आदित्य उसकी अनुपस्थिति में उसके घर आता था और उसकी नाबालिग नौकरानी को प्यार की झूठी उम्मीद देता था। पूजा ने एक टेबलॉयड को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि एक दिन अपनी नौकरानी के शरीर पर चोट के निशान देखने के बाद उन्होंने उससे इसके बारे में पूछा,जिस पर उसने कबूल किया कि यह आदित्य है। पूजा ने आदित्य को अब तक का सबसे घृणित आदमी बताया क्योंकि वह इस घटना को जानकर हैरान रह गईं। चौंकाने वाली सच्चाई जानने के बाद उसने मामले को अपने हाथ में लिया और उसकी पत्नी जरीना वहाब को इसकी जानकारी दी। दावा किया गया कि जरीना भी यह जानकर हैरान रह गई और उसने उसे कुत्ते की मौत का श्राप दे दिया। रिपोर्ट के मुताबिक पूजा ने आदित्य पंचोली के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया था, बाद में नौकरानी ने दावा किया कि उनका रिश्ता सहमति से बना था। अपने एक साक्षात्कार में कंगना ने आदित्य पंचोली पर उनके साथ शारीरिक उत्पीड़न करने का जोरदार आरोप लगाया था और बताया था कि कैसे एक दिन उन्होंने उनके सिर पर हमला किया था और उन्होंने भी उन्हें पलटवार करते हुए उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मेरा गुरु उत्पीड़क बन गया ।

सनी देओल और आयुष्मान खुराना की बॉर्डर 2 की रिलीज डेट आयी सामने

90 के दशक की ब्लॉकबस्टर मल्टी-स्टारर फिल्म बॉर्डर अपने दूसरे चैप्टर के साथ सिनेमाघरों में आने के लिए पूरी तरह तैयार है। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक,सनी देओल सीक्वल में मेजर कुलदीप सिंह चंदूरी का किरदार निभाने के लिए वापस आएंगे। यह भी खबर आई थी कि फिल्म में एक अहम रोल के लिए आयुष्मान खुराना को भी लिया गया है। अब इसी पोर्टल की एक और रिपोर्ट के मुताबिक दावा किया जा रहा है कि आने वाली वॉर फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पिंकविला ने विकास से जुड़े एक करीबी सूत्र के हवाले से बताया बॉर्डर 2 का लक्ष्य शुक्रवार, 23 जनवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने का है-जिससे सोमवार, 26 जनवरी, 2026 को गणतंत्र दिवस की छुट्टी होगी। भारतीय सशस्त्र बलों की बहादुरी का जश्न मनाने वाली फिल्म होने के नाते, निर्माताओं को लगता है सनी देओल और आयुष्मान खुराना की फिल्म के आगमन के लिए गणतंत्र दिवस से बेहतर कोई तारीख नहीं हो सकती।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बॉर्डर 2 के निर्माता एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं जो ओजी फिल्म की विरासत के साथ न्याय करती है। बॉर्डर 2 पिछले एक साल से अधिक समय से लेखन चरण में है और टीम ने एक ऐसी स्क्रिप्ट तैयार की है जो लोगों की उन उम्मीदों पर खरी उतरती है जो बॉर्डर जैसी विशाल सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर की अगली कड़ी से होगी। सूत्र ने बताया, सनी देओल और आयुष्मान खुराना इस साल के अंत तक इस यात्रा पर निकलने के लिए बहुत उत्साहित हैं। बॉर्डर 2 को भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म बताते हुए सूत्र ने आगे कहा, इस कैनवास की एक फिल्म के लिए बड़े पैमाने पर प्री- प्रोडक्शन की आवश्यकता होती है और बॉर्डर 2 में दुनिया भर से कुछ शीर्ष प्रतिभाओं को शामिल करने का विचार है। सभी हितधारक इस तथ्य से भलीभांति परिचित हैं कि बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं है बल्कि एक भावना है और दर्शकों तक एक ईमानदार फिल्म पहुंचाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी। यह भारत की सबसे बड़ी युद्ध फिल्म बनने जा रही है। 1997 में रिलीज़ हुई, जेपी दत्ता निर्देशित यह फिल्म 1971 में हुई लोंगेवाला की लड़ाई की घटनाओं पर आधारित थी। इस फिल्म में सनी के अलावा, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्ना, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा, राखी और पूजा भी थे। भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफल रही और इसे सर्वकालिक ब्लॉकबस्टर घोषित किया गया।

मैरिज एनिवर्सरी पर नेहा धूपिया ने पति अंगद बेदी संग शेयर की रोमांटिक तस्वीरें, कैप्शन में लिखा प्यार भरा संदेश...

नेहा धूपिया और अंगद बेदी आज अपनी 6वीं शादी की सालगिरह मना रहे हैं। इस जोड़े की मुलाकात एक दोस्त की सभा में हुई और समय के साथ, उनकी दोस्ती एक गहरे संबंध में बदल गई। उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर अपने फैंस को चौंका दिया। उन्होंने 2018 में एक गुरुद्वारे में एक अंतरंग समारोह में शादी के बंधन में बंध गए।जैसे ही नेहा ने अपने विशेष दिन को फिर से याद किया, अभिनेत्री ने पुरानी पुरानी तस्वीरों के बंडल के साथ अंगद के लिए एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा। नोट में लिखा है, मेरे जीवन के प्यार के लिए...देखो हम कितनी दूर आ गए हैं...दोस्ती के माध्यम से, झगड़े और खुले पानी में स्वतंत्र तैराकी के माध्यम से...हंसी,जीत और हार के माध्यम से...आवेगपूर्ण यात्राओं के माध्यम से, अनियोजित तारीख वाली रातें और सुबह के शुरुआती घंटों तक देर रात की बातचीत... पागल कसरत के माध्यम से, आधी रात को नाश्ता करना,आपकी परेशान करने वाली फोन की आदतें और एक ही मैच और फिल्म को बार-बार देखने की आपकी क्षमता... हमारे खूबसूरत के माध्यम से, मनमोहक, बेहद लचीले बच्चे और निश्चित रूप से इस साहसिक कार्य के माध्यम से जिसे जीवन कहा जाता है, मैं इसे आपके और केवल आपके साथ बार-बार करूंगा! यहाँ हमारे लिए है ! छह साल की बच्ची... हैप्पी एनिवर्सरी मेरा प्यार अंगद बेदी मैं तुमसे प्यार करता हूं। अंगद ने एक बार साझा किया था कि कैसे उनकी शादी के समय उनके बैंक खाते में केवल 3 लाख रुपये थे। उन्होंने आगे कहा कि नेहा के माता-पिता उनकी वित्तीय स्थिति के बारे में चिंतित नहीं थे, उन्होंने यह भी खुलासा किया था कि जब वह शुरू में नेहा से शादी करना चाहते थे, तो वह आर्थिक रूप से बहुत अधिक स्थिर स्थिति में थी। दरअसल, अंगद ने उन्हें प्रभावित करने के लिए ही अपनी पहली कार खरीदी थी। कर्ली टेल्स से बात करते हुए, अंगद ने कहा था, जब मैं उससे मिला,तो मैंने कहा, यार, इससे शादी करनी है, पैसे तो नहीं हैं। मैंने कहा, हां। बीएमडब्ल्यू में घूमती है, कम से कम एक गाड़ी तो थोड़ी ऊपर की लेनी पड़ेगी। इसलिए मैंने कुछ पैसे बचाए, कर्ज लिया और अपनी पहली कार खरीदी सिर्फ उसे प्रभावित करने के लिए।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने एक स्थायी जज और दो एडिशनल जज को दिलाई शपथ

रायपुर,11 मई 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा अपने कोर्ट हाल में दोपहर 4 बजे न्यायमूर्ति राकेश माहन पाण्डेय साहब, न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत तथा न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल साहब को शपथ दिलाई गई। न्यायमूर्ति राकेश माहन पाण्डेय द्वारा स्थायी जज के रूप में तथा न्यायमूर्ति सचिन सिंह राजपूत तथा न्यायमूर्ति राधाकिशन अग्रवाल द्वारा एडिशनल जज के रूप में शपथ ली गयी। इस अवसर पर समस्त माननीय न्यायमूर्तिगण भी

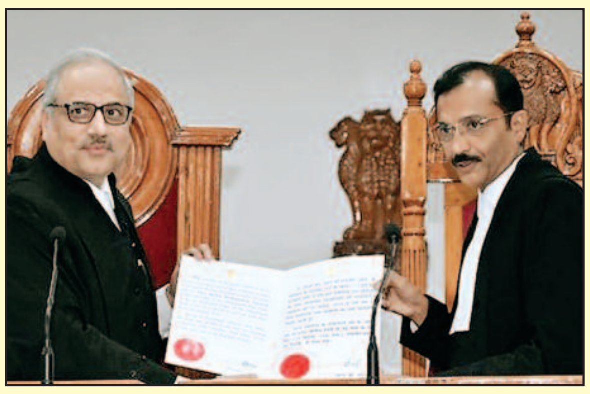

उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि विधि एवं विधायी कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा 9 मई 2024 को उक्त के संबंध में अधिसूचना जारी की गयी है। शपथ ग्रहण कार्यकम में महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन. भारत, डिप्टी सॉलीसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा, अध्यक्ष उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन उमाकांत सिंह चंदेल, वरिष्ठ अधिवक्तागण, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं रजिस्ट्री व ज्यूडिशियल एकेडमी के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ के किशोर पारेख ने 61 वर्ष की उम्र में पांगरचुल्ला चोटी पर लहराया तिरंगा

7 डिग्री में 15 हजार फीट ऊंचाई का रास्ता किया तय,मुख्यमंत्री ने दी बधाई

जगदलपुर,11 मई 2024 (ए)। शहर के 61 वर्षीय जानेमाने समाजसेवी किशोर पारेख ने उत्तराखंड की पांगचुरल्ला चोटी पर तिरंगा फहराया है। जिस उम्र में लोग रिटायरमेंट लेकर घर में बैठ जाते हैं उस उम्र में किशोर पारेख ने 15 हजार फीट ऊंची चोटी में पहुंचकर बस्तर और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। वहीं इस उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किशोर पारेख को बधाई दी है।

सीएम विष्णुदेव साय ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है, 'लहरा दो सरकशी का परचम लहरा दो'। हमारे छत्तीसगढ़ के जगदलपुर शहर के किशोर पारेख जी ने माइनस 7 डिग्री में 15 हजार फीट ऊंची उत्तराखंड की पांगरचुल्ला चोटी में तिरंगा लहराकर एक नया

कीर्तिमान रचा है। उम्र को बाधा न मानकर किशोर जी के इस जज्बे से पूरा छत्तीसगढ़ गौरवान्वित है। वहीं छत्तीसगढ़वासी उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

बता दें कि उत्तराखंड के चमोली जिले में बर्फ से ढका पांगचुरल्ला पहाड़ स्थित है। यहां तक पंहुचने के लिए किशोर पारेख और उनके टीम को 10 दिन लगे। 15 हजार फीट ऊंची चोटी पर चढ़ाई करने की शुरुवात 26 अप्रैल से की थी। 6 मई की सुबह लगभग 8 बजे किशोर पारेख 15 सदस्यों के दल के साथ चोटी पर पंहुचे। पांगचुरल्ला की चोटी पर -10 डिग्री तापमान का सामना करना पड़ा। गौरतलब है की पांगचुरल्ला पहाड़ की चोटी में पहुंचने के इस अभियान में कुल 15 लोग शामिल हुए। इनमें से अधिकतर कर्नाटक के मैसूर और बैंगलोर से थी। जबकि छत्तीसगढ़ से किशोर पारेख शामिल हुए। किशोर पारेख पूर्व में बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष भी रह चुके है।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य के बेटे की मिली लाश,हत्या की आशंका

खैरागढ़,11 मई 2024 (ए)। जिले के ग्राम कुम्ही के पास आज सुबह अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। डोंगरगढ़ खैरागढ़ मुख्य मार्ग पर शव देखकर रास्ते से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को सूचना दी। लाश का फोटो सोशल मीडिया पर भी वायरल किया. पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच में जुट गई है. हत्या की आशंका जताई जा रही है।

मृत युवक की पहचान आमाघाट निवासी 24 वर्षीय उत्तम वर्मा के रूप में हुई है। उत्तम की माता पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रह चुकी है और उसके पिता बल्ला वर्मा भी सक्रिय रूप से राजनीति से जुड़े हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तम कल सुबह से अपने घर आमाघाट से निकला था। रात भर घर नहीं आया.

सुबह सोशल मीडिया पर लाश की फोटो देख परिजनों को उत्तम की मौत के बारे में पता चला, जिसके बाद वे कुम्ही पहुंचे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फारेंसिक की टीम भी मौके पर पहुंची। फिलहाल उत्तम की मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाई है, लेकिन सड़क पर मिली संदिग्ध लाश से उत्तम की हत्या के कयास लगाए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पंचनामा के लिए भेज दिया है और कई एंगलों पर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फारेंसिक टीम की जांच रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा हो पाएगा।

सांसद विजय बघेल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बताया फर्जी

कहा-स्कूलों से नहीं हटाया जा रहा स्वामी आत्मानंद का नाम

रायपुर,11 मई 2024 (ए)। दुर्ग सांसद विजय बघेल ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को फर्जी आदमी करार देते हुए कहा कि बिना जानकारी लिए स्वामी आत्मानंद स्कूलों के नाम को बदलने का आरोप साय सरकार पर लगा रहे हैं। कहीं भी स्वामी आत्मानंद के नाम को विलुप्त नहीं किया जा रहा है। स्वामी आत्मानंद स्कूलों को भी पीएम श्री योजना में समाहित करना हमारा उद्देश्य है, ताकि केंद्र की राशि का सदुउपयोग वहां हो सके।

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में भाजपा प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव के साथ सांसद विजय बघेल ने पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूलों के नाम को लेकर गलतबयानी पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला किया। उन्होंने कहा कि भूपेश बघेल बिना सोचे-समझे साधु संतों का अपमान करने का आरोप लगा रहे हैं। साधु-संतों का मान-सम्मान करना उनसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी को आता है।

यह हमारे संस्कार में है,हमारे डीएनए में है, हमारे रग-रग में है। विजय बघेल ने कहा कि अपमान तो उन्होंने किया है. स्वामी आत्मानंद के नाम से विद्यालय खोल दिए, लेकिन व्यवस्था क्या थी. एक रुपया बजट में प्रावधान नहीं। आज भी डीएमएफ फंड से शिक्षकों को तनख्वाह दी जाती है। भर्ती नहीं हुई. पुराने शिक्षकों से व्यवस्था चलाई जा रही थी। सारे रंग-रोगन डीएमएफ फंड से होता था। यह आरोप हमने पहले भी लगाया था। और आज भूपेश बघेल सबसे बड़े हितैषी बन गए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की योजना स्वामी आत्मानंद स्कूलों को पीएम श्री योजना में समाहित करने की है, ताकि केंद्र की राशि का सदुपयोग वहां भी हो सके,और एक अच्छी व्यवस्था बच्चों को और प्राध्यापकों को मिल सके। पूर्व चयनित 211 स्कूलों के अलावा दूसरे चरण में 500 से अधिक स्कूलों का चयन किया जाएगा. केंद्र सरकार ने इसके लिए बजट में 27 हजार रुपए से अधिक का आवंटन 2024 से पांच साल की अवधि के लिए किया है।

शासकीय विभागों में रिक्त पदों को भरने के लिए वित्त विभाग की अनुमति अनिवार्य

रायपुर,11 मई 2024 (ए)। शासन ने तमाम शासकीय विभागों में सीधी भर्ती के रिक्त पदों को भरने के लिए वित्त विभाग की अनुमति अनिवार्य कर दी है। इसमें लोक सेवा आयोग के जरिए की जाने वाली सीधी भर्ती के रिक्त पदों के साथ अनुकम्पा नियुक्ति के पदों को छूट प्रदान की गई है। वित्त विभाग की ओर से 10 मई को तमाम शासकीय विभागों के प्रमुखों को जारी पत्र में रिक्त पदों में भर्तियों के लिए विभागीय अनुमति प्राप्त करने का निर्देश जारी किया गया है। इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 से लोक सेवा आयोग द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली संयुक्त राज्य सेवा परीक्षा में शामिल पदों को छोड़कर, विभागों में राज्य लोक सेवा आयोग के माध्यम से भरे जाने वाले अन्य पदों पर भर्ती शुरू करने के पूर्व वित्त विभाग की अनुमति आवश्यक की गई है।

करोड़ों का गोलमाल:23 किसानों के खाते से उड़ाए करोड़ों रुपए

एचडीएफसी बैंक मैनेजर के खिलाफ एफआईआर हुआ दर्ज

धमतरी,11 मई 2024 (ए)। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र में एचडीएफसी बैंक के खाताधारक 23 किसानों के अकाउंट से 1 करोड़ 84 लाख रुपये गबन करने का मामला सामने आया है. इस मामले में पुलिस बैंक मैनेजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक कुरूद के बाईपास रोड के पास स्थित एचडीएफसी बैंक संचालित है. जिसका मैनेजर श्रीकांत टेनेटि ने अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ मिलकर करीब 23 खाताधारक किसानों से उनके क्रेडिट कार्ड, ऋण पुस्तिका, समेत अन्य माध्यमों से विभिन्न तरह के लोन देने के नाम पर उनके खाते से पैसा निकाल लिए। ऑनलाइन रुपये निकालने की शिकायत खाता धारकों ने बैंक से की थी। जिसके बाद 8 मई को बैंक प्रबंधन ने कुरुद थाना में आवेदन दिया। एडिशनल एसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि एचडीएफसी बैंक गबन मामले में पुलिस ने बैंक मैनेजर श्रीकांत टेनेटि और कर्मचारी तेजेन्द्र पिता कुंजबिहारी साहू ग्राम डाही के खिलाफ धारा 406, 409, 420, 267, 467, 468 और 120 बी भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है. बैंक मैनेजर ने किसानों को क्रेडिट कार्ड, ऋृण पुस्तिका के लिए खाते से पैसे ट्रांसफर करते थे. मोबाइल और चेक के माध्यम से रुपये निकाल लेते थे. अब तक 23 पीड़ितों का शिकायत मिला है और भी आवेदन मिल सकते हैं।

महादेव बैटिंग एप मामले में बर्खास्त कांस्टेबल अर्जुन यादव ने खोले राज

20 से अधिक पैनल का करता था संचालन, 200 से ज्यादा बैंक अकाउंट में करोड़ों रुपये किए गए फीज

रायपुर,11 मई 2024 (ए)। महादेव सट्टा ऐप मामले में गिरफ्तार बर्खास्त पुलिस आरक्षक अर्जुन यादव को विशेष पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट ने शुक्रवार को 5 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया था। जिसके बाद एक बड़ा अपडेट सामने आया है, अर्जुन यादव ने पूछताछ में अब तक 20 से अधिक महादेव ऐप के पैनल का संचालन करना स्वीकार किया है। जिसमें से वर्तमान में 4 पैनल श्रीलंका और 1 पैनल कोलकाता में ऑपरेट होने की बात सामने आई है।

बर्खास्त पुलिस आरक्षक अर्जुन यादव से प्राप्त पैनलों के संबंध में जानकारी के आधार पर रायपुर पुलिस की टीम कोलकाता में कार्रवाई कर रही है। अर्जुन यादव के मोबाइल फोन में महादेव ऐप से जुडे हुए बहुत से व्हाट्सएप ग्रुप भी मिले हैं। जिनमें से कुछ ग्रुप आरटीजीएस एकाउन्ट से और कुछ ग्रुप फेक एकाउन्ट से संबंधित हैं। ब्यूरो की टीम द्वारा ग्रुप्स से प्राप्त जानकारी के आधार पर 200 से अधिक ऐसे बैंक अकाउंट को

चिन्हांकित करके लगभग 3 करोड़ रूपये की राशि इन बैंक खातों में फीज करवाया गया है।. आरोपी से महादेव ऐप के पैसे से खरीदी गई एक फोर टर्नर गाड़ी भी जब्त की गई है।

बता दें कि महादेव सट्टा ऐप मामले में गिरफ्तार बर्खास्त पुलिस आरक्षक अर्जुन यादव कई दिनों से फरार चल रहा था। उसे ईओडब्ल्यू की टीम ने मध्य प्रदेश के पचमढ़ी से गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू की टीम ने पूछताछ के लिए कोर्ट में अर्जुन यादव को 5 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर लेने का आवेदन लगाया था जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने 14 मई तक के लिए उसे पुलिस रिमांड पर भेजा है। अर्जुन यादव महादेव केस में रायपुर जेल में बंद निलंबित आरक्षक भीम यादव का भाई है। महादेव सट्टा मामले में नाम आने के बाद दुर्ग पुलिस में आरक्षक के पद पर तैनाता अर्जुन को एसपी ने निलंबित कर दिया था।

रात में महानदी का सीना चीर रहे माफिया

धड़ल्ले से हो रहा रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन,कुंभकर्णी निद्रा में सोए हैं अफसर

बलौदाबाजार,11 मई 2024 (ए)। जिले में रेत का अवैध उत्खनन धड़ल्ले से चल रहा। हद तब हो गई जब पूरे जिला प्रशासन के साथ राज्य स्तर के प्रशासनिक अधिकारी और मंत्रियों को जानकारी के बावजूद खनिज माफिया उनको ठेंगा दिखा ये बता रहे कि हमारा कोई कुछ नहीं कर सकता है।

बलौदाबाजार जिले में पर्यावरण विभाग के सारे नियम कानून को ताक में रखकर रात में महानदी का सीना चीरा जा रहा है और रोज लगभग 700 बड़ी हाईवा से जिले के रेत खदानों से रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा। जिले के आला अधिकारी कभी छोटी मोटी कार्यवाही कर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर रहे हैं पर रात्रि में हो रहे अवैध उत्खनन को रोक पाने में असफल दिखाई दे रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि इन ठेकेदारों में जो बलौदाबाजार में भाजपा का सदस्य है और कांग्रेस शासनकाल में भी इनकी चलती थी और अधिकारियों एवं नेताओं के बीच इनकी अच्छी सांठगांठ है। एक बड़ी रकम ये प्रतिमाह अधिकारियों तक पहुंचाते हैं, जिसकी वजह से इनके रेत घाट में आज तक बड़ी कार्रवाई नहीं हुई. कभी कभार सरकारी तंत्र दिखावे के नाम पर कार्यवाही कर रहा है। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि ये रायल्टी चोरी में भी माहिर हैं और एक पर्ची में अनेक बार ये गाड़ियों को पार कराते रहते हैं। मोटी रकम के एवज में कार्यवाही के पहले इन्हें अधिकारी खबर देते हैं।

मोहान घाट के संबंध में पता चला है कि बगैर किसी सरकारी परमिशन के अवैध रूप से वर्तमान में यहां से रेत का उत्खनन बेखौफ जारी है। अधिकारियों को इसका पता भी है पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। वहीं सूत्र यह भी बता रहे हैं कि मोहान घाट में रेत का अवैध उत्खनन भी किसी भाजपा के जनप्रतिनिधि द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भ्रष्टाचार को प्रत्येक भाषण में प्रमुखता से उठाने वाले हमारे राज्य स्तर के मंत्री जी कहां है, जो हमेशा कहते हैं न खाएंगे और न खाने देंगे। ऐसे में बलौदाबाजार सहित पूरे प्रदेश के अन्य जिलों में भी लगातार खबर चल रही है, फिर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है, यह एक बड़ा सवाल है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)